सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बच्चों को होमवर्क की अहमियत समझाना जरूरी पेज: 7

हसरतें सीजन 3 से चाहत पांडे रखा ओटीटी की दुनिया पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 312 | रविवार 22 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

देश में 32 विश्वविद्यालय फर्जी, यूजीसी ने जारी ताजा सूची

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश में चल रहे 32 फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की है। ये गैर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय खुद को वैध बताकर छात्रों को गुमराह कर रहे थे। यूजीसी ने चेतावनी दी है कि इनमें से मिली डिग्री नौकरी और उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए अवैध हैं। यूजीसी की राज्यवार फर्जी संस्थानों की सूची में सबसे ज्यादा 12 संस्थान दिल्ली में हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 4 फर्जी संस्थान हैं। यूजीसी ने साफ किया है कि ये 32 संस्थान यूजीसी अधिनियम, 1956 के तहत किसी भी रूप में डिग्री प्रदान करने के लिए अधिकृत नहीं है। आयोग ने कहा कि इन संस्थानों को न केंद्र सरकार से मान्यता मिली है और न ही किसी राज्य सरकार से मान्यता हासिल की है। यूजीसी ने छात्रों से अपील की है कि किसी भी विश्वविद्यालय या संस्थान में दाखिला लेने से पहले उसकी मान्यता की स्थिति यूजीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर अवश्य जांच लें।

राज्य के हिसाब से नकली यूनिवर्सिटी की संख्या इस तरह है-दिल्ली में सबसे ज्यादा 12, उत्तर प्रदेश में 4, आंध्र प्रदेश में 2, कर्नाटक में 2, केरल में 2, महाराष्ट्र में 2, पुडुचेरी में 2, पश्चिम बंगाल में 2, अरुणाचल प्रदेश में 1, हरियाणा में 1, झारखंड में 1 और राजस्थान में 1नकली यूनिवर्सिटी संचालित हो रही है।

दर्दनाक दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत, अनियंत्रित होकर कार तालाब में डूबी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कानपुर देहात जिले में एक दर्दनाक दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हुई। जानकारी के अनुसार, औरैया जिले का रहने वाला परिवार कल्याणपुर में एक रिश्तेदार के घर समारोह में शामिल होकर लौट रहा था। तभी सवई गांव के पास उनकी निजी वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे तालाब में जा गिरी। बताया जा रहा है कि वाहन में कुल 11 लोग सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, इसके बाद वैन सीधे तालाब में चली गई और गहरे पानी में डूबने लगी। लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। शिवली थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। जेसीबी मशीन और स्थानीय गोताखोरों की मदद से काफी मशक्कत के बाद वैन को तालाब से बाहर निकाला गया। इस हादसे में राजकिशोर अग्निहोत्री (60), उनकी पत्नी स्नेहलता अग्निहोत्री (55), बेटी हिमांशी अग्निहोत्री (30) और दो वर्षीय पोते शिव अग्निहोत्री की मौत हो गई। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों को बेहतर इलाज के लिए कानपुर के लाला लाजपत राय अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। फरार चालक राजकुमार की तलाश जारी है। इसी तरह का एक और हादसा संभल जिले में सामने आया। मझावली गांव के पास तेज रफ्तार कार ट्राई साइकिल को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर तालाब में जा घुसी। इस घटना में वीरपाल नामक युवक घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। लगातार हो रहे इसतरह हादसे सड़क सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं।

दुष्कर्म की कोशिश में असफल होने पर आरोपी कर्नल कुरै ने की थी शर्मिला की हत्या

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में हुए महिला टेक्नीशियन शर्मिला की हत्या मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। मंगलौर निवासी शर्मिला का शव 16 जनवरी को राममूर्ति नगर स्थित उसके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। जांच में सामने आया कि उसकी हत्या पड़ोस में रहने वाले 18 वर्षीय युवक कर्नल कुरै ने की थी। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने शर्मिला के फ्लैट में घुसने से पहले कई बार रेकी की थी और हवस के चलते दुष्कर्म की कोशिश में असफल होने पर हत्या कर दी। कुरै ने कबूल किया कि उसने शर्मिला को पीछे से पकड़ लिया और जब शर्मिला ने विरोध किया, तब उसका सिर सोफे से टकरा गया। इसके बाद उसने दोनों हाथों से गला दबाकर उसकी हत्या की। हत्या के बाद आरोपी ने शर्मिला के कपड़े उतारकर उन्हीं से खून साफ किया और पानी से धो दिया। इसके बावजूद आरोपी ने मृतक शर्मिला के शव के साथ भी अश्लील हरकत करने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने शव को अलमारी से कपड़े पहनाकर सीधे लिटा दिया ताकि किसी को शक न हो। उसने पहले बिस्तर पर टॉप और कुछ कपड़े रखकर टिश्यू पेपर से आग लगाने की भी कोशिश की थी, लेकिन पैंट गायब हो गई, जिसे उसने पड़ोस के पेड़ पर फेंक दिया। इसके अलावा उसने युवती का मोबाइल भी अपने साथ ले लिया। राममूर्ति नगर पुलिस की लगातार पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर कुरै ने पूरा मामला कबूल कर लिया है। पुलिस अभी आरोपी से और जानकारी जुटा रही है, ताकि उसके मानसिक स्थिति और घटना के पीछे के कारणों का पूरा पता लगाया जा सके। यह मामला न सिर्फ स्थानीय लोगों के लिए बल्कि पूरे शहर में गंभीर चिंता का विषय बन गया है। यह घटना महिलाओं की सुरक्षा और पड़ोसी के भरोसे पर उठाए जाने वाले सवालों को भी उजागर करती है, जबकि आरोपी की मानसिक स्थिति और उसकी पूर्व योजना इस मामले को और भी भयानक बनाती है

कोटा में अवैध हथियार के साथ पकड़ाया युवक, रह चुका है यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा शहर में अवैध हथियारों के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस के मुताबिक उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि नया नोहरा रोड इलाके में एक युवक संदिग्ध हालत में घूम रहा है और उसके पास अवैध हथियार हो सकता है। सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद हुए। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने यह पिस्टल कथित तौर पर कोहिनूर गैंग के कुछ सदस्यों से खरीदी थी। पुलिस को शक है कि वह इस हथियार को आगे किसी और को बेचने की फिराक में था। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि हथियार किसे और किस मकसद से बेचा जाना था। आरोपी कांग्रेस की यूथ विंग से जुड़ा बताया जा रहा है और वह पहले विधानसभा क्षेत्र का यूथ कांग्रेस अध्यक्ष भी रह चुका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस अब पूरे मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है।

अमेरिकी टैरिफ पर कांग्रेस ने कहा- मामला कोर्ट में था, केंद्र को जल्दबाजी नहीं करना थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ को लेकर अमेरिकी अदालती घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के साहसिक कदम की सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अदालत की वैचारिक बनावट के बावजूद 6-3 का यह निर्णय ट्रंप की पूरी टैरिफ रणनीति के लिए एक बड़ा झटका है। रमेश के अनुसार, यह फैसला राष्ट्रपति की शक्तियों पर अंकुश लगाने और लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा उदाहरण है। वहीं, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इस फैसले के बहाने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अमेरिकी अदालत में यह मामला लंबित था, तो भारत सरकार ने इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई?

खेड़ा ने आरोप लगाया कि यदि भारत कुछ दिन और इंतजार करता, तो देश एकतरफा और कथित तौर पर भारत-विरोधी व्यापार सौदे में फंसने से बच सकता था। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा फरवरी की शुरुआत में वॉशिंगटन को किए गए फोन कॉल और भारत की शुरुआती इंतजार करने की रणनीति में आए बदलाव पर सवाल उठाते हुए इसे कूटनीतिक चूक करार दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी अदालत का यह फैसला वैश्विक व्यापारिक परिदृश्य को बदल सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप जिस आपातकालीन कानून के सहारे वैश्विक व्यापार को अपने अनुसार ढालने की कोशिश कर रहे थे, उसे अब कानून सम्मत नहीं माना गया है। इससे उन देशों को बड़ी राहत मिली है जो अमेरिकी टैरिफ के कारण आर्थिक दबाव झेल रहे थे। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अमेरिकी प्रशासन इस कानूनी बाधा के बाद अपनी नई आर्थिक रणनीति किस प्रकार तैयार करता है और भारत के साथ हुए हालिया समझौतों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक और दूरगामी फैसले में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू किए गए व्यापक व्यापारिक शुल्कों (टैरिफ) के बड़े हिस्से को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है। 6-3 के बहुमत से आए इस निर्णायक फैसले ने न केवल ट्रंप के आर्थिक एजेंडे के मुख्य स्तंभ को ध्वस्त कर दिया है, बल्कि भारत सहित अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के लिए भी नई स्थितियां पैदा कर दी हैं। इस अदालती आदेश के बाद भारत में भी राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है, जहाँ विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की विदेश और व्यापार नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अमेरिकी शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने बहुमत का पक्ष रखते हुए राष्ट्रपति की कार्यकारी शक्तियों की संवैधानिक सीमाओं को स्पष्ट किया। अदालत ने यह निर्धारित किया कि राष्ट्रपति के पास 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत बिना संसदीय अनुमति के वैश्विक व्यापार को पूरी तरह से पुनर्गठित करने या असीमित मात्रा और अवधि के लिए आयात शुल्क थोपने का अधिकार नहीं है। फैसले में स्पष्ट किया गया कि इस तरह के व्यापक आर्थिक बदलावों के लिए स्पष्ट विधायी अनुमति अनिवार्य है और राष्ट्रपति एकतरफा तरीके से इन शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकते।

वलसाड में कार-ट्रक की भीषण टक्कर में चली गई सात लोगों की जान

-कुंभ घाट के पास हुआ दर्दनाक हादसा, एक गंभीर घायल

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले के कपराडा इलाके में कुंभ घाट के पास शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इको कार और एक ट्रक के बीच हुई जोरदार टक्कर के कारण हुआ। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार सवार सभी लोग आंबा जंगल क्षेत्र के निवासी थे और कपराडा से नानापोढ़ा की ओर जा रहे थे। कुंभ घाट के पास सामने से आ रहे ट्रक से उनकी कार की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयावह था कि मौके पर ही सात लोगों ने दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान एक ही परिवार के सदस्यों के रूप में हुई है, जिससे पूरे इलाके में मातम पसर गया है। हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना के बाद सड़क पर लंबा जाम लग गया, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद हटाया गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और घाट क्षेत्र की घुमावदार सड़क को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि पुलिस ने मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

राहुल गांधी मुर्दाबाद, मुर्दाबाद के नारे लगाकर लखनऊ में भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने वीवीआईपी गेस्ट हाउस के सामने से कांग्रेस दफ्तर की ओर कूच किया। इस दौरान पुलिस ने रोड को बैरिकेड करके पूरी तरह जाम किया है। भाजयुमोकार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी होश में आओ, होश में आओ और राहुल गांधी मुर्दाबाद, मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए और कांग्रेस नेता का पुतला जलाया।

इस प्रदर्शन में लखनऊ के भाजयुमो महानगर, भाजपा पार्षद और अन्य पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता वीवीआईपी गेस्ट हाउस के पास इकट्ठा हुए। यह प्रदर्शन इंटरनेशनल एआई समिट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के शर्ट उतारकर प्रदर्शन के विरोध में किया जा रहा है। भाजयुमो के उपाध्यक्ष संजय शुक्ला ने कहा कि राहुल गांधी भाजपा का विरोध करते-करते देश का विरोध कर रहे हैं। इन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही एआई समिट में अपने कार्यकर्ता भेजकर वहां नग्न प्रदर्शन करवाया। इस प्रदर्शन से देश की छवि धूमिल हुई।

प्रदर्शन के दौरान भाजयुमो युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रियांशु दास द्विवेदी ने कहा कि राहुल गांधी लगातार इसतरह के बयान दे रहे हैं जो देश की एकता और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करते हैं। आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व जनता को गुमराह करने का काम कर रहा है और भाजपा कार्यकर्ता इसका विरोध लोकतांत्रिक तरीके से कर रहे है। भाजपा नेता नीरज सिंह ने भी कहा कि कांग्रेस पार्टी मुद्दों से भटक चुकी है और केवल बयानबाजी की राजनीति कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर विरोध प्रदर्शन कर कांग्रेस ने देश की छवि को नुकसान पहुंचाया : रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान हुए हंगामे को लेकर सियासी बयानबाज़ी तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा अंतरराष्ट्रीय मंच पर विरोध प्रदर्शन कर कांग्रेस ने न केवल राजनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन किया है, बल्कि देश की छवि को भी नुकसान पहुंचाया है। रिजिजू के अनुसार, इस तरह का आचरण भारत को वैश्विक स्तर पर शर्मसार करता है और इससे गलत संदेश जाता है। रिजिजू ने कहा कि विपक्ष को सरकार की नीतियों की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर हंगामा करना या देश के खिलाफ माहौल बनाना उचित नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह सरकार का विरोध करने के बजाय देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने की राजनीति कर रही है। मंत्री ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि कांग्रेस को अपने व्यवहार के लिए माफी मांगनी चाहिए और आत्ममंथन करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस की चुनावी स्थिति पर भी टिप्पणी की। उनका दावा है कि लगातार चुनावी हार से पार्टी हताश हो चुकी है और इसी कारण वह इस तरह के कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि जनता बार-बार कांग्रेस को नकार रही है, जिससे पार्टी में बेचैनी और बौखलाहट बढ़ रही है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी को 'नासमझ' करार देकर आरोप लगाया कि वे विदेशों में भारत के खिलाफ बयान देते हैं, जो देशहित में नहीं है। इसके विपरीत, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि वे वैश्विक मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने और विश्व कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। इस पूरे विवाद ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है, और आने वाले दिनों में इस पर बयानबाज़ी और तेज होने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर में सड़क किनारे रखा था आईईडी, सुरक्षाबलों ने की आतंकी साजिश नाकाम

दिल्ली में चांदनी चौक के कुछ धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ाई

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में सड़क के किनारे ही इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोजिव डिवाइस (आईईडी) मिला है। कोहेस्तान कॉलोनी के पास ही गुलाब शेख मोहल्ले में इसे सड़क किनारे एक बैग में रखा गया था। हालांकि एजेंसियों को इसकी जानकारी मिल गई और बम निरोधक दस्ते ने पहुंचकर इसे निष्क्रिय कर दिया। एक दिन पहले ही बारामुला जिले के जांबाजपोरा इलाके में आईडी मिला था। सेना ने आईईडी मिलने के बाद इसे निष्क्रिय कर दिया। सेना का कहना है कि यह आतंकियों की साजिश है। बता दें घाटी में सुरक्षाबलों की सतर्कता और एजेंसियों के अलर्ट के चलते कई हादसे टाले गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में आतंकी खतरे की आशंका संबंधी खुफिया जानकारी मिलने के बाद शनिवार को लाल किले के आसपास के इलाके और चांदनी चौक के कुछ हिस्से समेत प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि लश्कर-ए-तैयबा ने कथित तौर पर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को हमले वाले स्थानों की सूची में रखा है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने लाल किले के पास संभावित विस्फोट के खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया है, जो प्रमुख पर्यटन स्थल और उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है।

सूत्रों ने बताया कि ऐसी खुफिया सूचना है कि चांदनी चौक स्थित एक मंदिर को भी निशाना बनाया जा सकता है। खुफिया जानकारी का सत्यापन और आकलन किया जा रहा है। इसके मद्देनजर संवेदनशील धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया है कि लश्कर-ए-तैयबा आईईडी आधारित हमले को अंजाम देने की कोशिश कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक हमले की यह कथित साजिश आतंकी समूह द्वारा छह फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मस्जिद में हुए विस्फोट का बदला लेने के प्रयासों से जुड़ी है।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियां और दिल्ली पुलिस की इकाइयां समन्वय बनाए हुए हैं और सीसीटीवी निगरानी, वाहनों की जांच व संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती के जरिए से निगरानी बढ़ा दी गई है। यह चेतावनी 10 नवंबर, 2025 को लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट की पृष्ठभूमि में जारी की गई है। विस्फोट में कम से कम 13 लोग मारे गए थे और 20 से ज्यादा घायल हुए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि के बारे में तुरंत पुलिस या आपातकालीन सेवाओं को सूचित करने का आग्रह किया है।

पैदल चलने वाले लोगों के लिए खास कदम उठा रही नीतीश सरकार... परिवहन विभाग की पहल

पटना (एजेंसी)। बिहार में पिछले साल 20 नवंबर 2025 को नई सरकार का गठन हुआ था। इस नई सरकार के बाद सात निश्चय-3 (2025-30) की योजनाएं शुरू हुई। इसमें सातवां निश्चय है सबका सम्मानजीवन आसान इसका मतलब है कि राज्य के लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को आसान और बेहतर है।

नीतिश सरकार इसी दिशा में लगातार काम कर रही है। अब खास तौर पर सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा और सम्मान का ध्यान रखते हुए भी कई अहम फैसले लिए गए हैं, ताकि उन्हें सुरक्षित और आरामदायक माहौल मिल सके।

दरअसल परिवहन विभाग की ओर से बताया गया हैं कि बिहार में विकास के काम तेजी से किए जा रहे हैं। राज्यवासियों की आमदनी बढ़ रही है, इस कारण राज्य की सड़कों पर दो पहिया-चार पहिया वाहनों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। हालांकि राज्य की सड़कों पर बढ़ते वाहनों की वजह से सड़कों पर पैदल चलने वाले यात्रियों को असुविधा होती है। सड़क पर सुरक्षित एवं सम्मान पूर्वक चलना पैदल चलने वाले लोगों का पहला मलभूत अधिकार है। इस लेकर बिहार परिवहन विभाग को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं, ताकि सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों को कोई परेशानी नहीं हो। सड़क सुरक्षा के मानकों को ध्यान में रखकर राज्य के शहरी क्षेत्रों में विशेषकर भीड़-भाड़ वाले स्थानों को चिन्हित कर जल्द फुटपाथ बनाने निर्देश दिए है। सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा के लिए चिन्हित जगहों पर जेब्रा क्रॉसिंग बनाने का निर्देश दिया है। पैदल चलने वाले लोगों की सुविधा के लिए चिह्नित स्थानों पर फुट ओवर ब्रिज/एस्केलेटर और अंडरपास बनाने का निर्देश दिया गया है। सभी सरकारी एवं निजी वाहन चालकों को प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया गया है, ताकि वाहन चालक सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील हो सके। राज्य के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में अधिक सड़क दुर्घटना की संभावना वाली जगहों को चिह्नित कर पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ का निर्माण एवं सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया गया है, ताकि उसका आकलन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। राज्य की सड़कों पर पैदल चलने वाले लोगों को इस तरह की सभी सुविधाएं जल्द से जल्द मिल सकें, इसे लेकर परिवहन विभाग को तेजी से काम करने का निर्देश दिया गया है।

इंडिया गठबंधन ने सहयोगी सपा ने दिखाया कांग्रेस को आईना...शर्टलेस प्रदर्शन देश का अपमान

-मायावती, जगन मोहन रेड्डी और केटी राम राव ने की कांग्रेस की निंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'एआई इंडिया समिट 2026' के दौरान यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के शर्टलेस प्रदर्शन पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। समिट के पांचवें दिन हुए इस विरोध प्रदर्शन को कई दलों ने देश की छवि के खिलाफ बताया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर का था, जिसमें देश-विदेश के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इंडिया गठबंधन में शामिल सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस घटनाक्रम को देश का अपमान बताया। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर एआई समिट में चीन के मॉडल को प्रदर्शित करने पर सवाल उठाए। हालांकि उन्होंने भी स्पष्ट किया कि वे हंगामे के पक्ष में नहीं हैं और ऐसा कोई प्रदर्शन नहीं होना चाहिए जिससे विदेशी प्रतिनिधियों के सामने देश की छवि प्रभावित हो। ये देश के अपमान से जुड़ा मामला है।

इसी कड़ी में बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने एक्स पर इस घटनाक्रम को ÷अति-अशोभनीय और निंदनीय÷ बताया। उन्होंने कहा कि जब कोई कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर सुर्खियों में हो, तब इस तरह का आचरण देश की गरिमा और छवि को नुकसान पहुंचाता है। उनके अनुसार राजनीतिक विरोध का तरीका संयमित और मर्यादित होना चाहिए। वहीं आंध्र प्रदेश के मंगलगिरी से विधायक नारा लोकेश ने भी कांग्रेस के प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एआई समिट जैसे आयोजन भारत की तकनीकी प्रगति और नवाचार को प्रदर्शित करने का मौका हैं। इसतरह के अंतरराष्ट्रीय मंच को राजनीतिक नाटकों में बदलना देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है। वहीं आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि इस घटना ने देश को शर्मसार किया है। उन्होंने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एकजुट चेहरा प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उनके अनुसार राष्ट्रीय सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए। देश के सम्मान के सामने कुछ भी नहीं होना चाहिए। तेलंगाना के सिरिसिला से विधायक केटी राम राव ने भी प्रदर्शन की निंदा कर कहा कि लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन विरोध के लिए उचित समय और स्थान का चयन जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन इस प्रकार के प्रदर्शनों के लिए उपयुक्त मंच नहीं है।

वहीं इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर एआई समिट में चीन के मॉडल को प्रदर्शित करने पर सवाल उठाए। हालांकि उन्होंने भी स्पष्ट किया कि वे हंगामे के पक्ष में नहीं हैं और ऐसा कोई प्रदर्शन नहीं होना चाहिए जिससे विदेशी प्रतिनिधियों के सामने देश की छवि प्रभावित हो। ये देश के अपमान से जुड़ा मामला है।

संपादकीय

प्रपंच से फजीहत

दिल्ली में आयोजित, भारत की महत्वाकांक्षी वैश्विक एआई समिट की शुरूआत में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी द्वारा विदेशी रोबोट को अपनी खोज बताकर किए दावे ने देश को असहज किया। ग्लोबल साउथ के देशों का नेतृत्व कर रहे भारत की तरक्की को लेकर अकसर मीन-मेख निकालने वाले पश्चिमी मीडिया को ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के कृत्य ने नुक्ताचीनी का एक और मौका जरूर दे दिया। जिसको लेकर पश्चिमी मीडिया में खासी चर्चा हुई। यहां एक निष्कर्ष यह भी निकला कि तकनीकी शिक्षा में निजी क्षेत्रों को मौका मिलने का किस हद तक दुरुपयोग भी किया जा सकता है। यह भी कि मौलिक गुणवत्ता से समझौता करके हम देश का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं। यह घटनाक्रम देश में तेजी से बढ़ती उस नकारात्मक प्रवृत्ति का हश्र भी बताता है, जिसमें आनन-फानन में शॉर्टकट से सफलता की तलाश रहती है। विडंबना यह है कि इस घटना ने वैश्विक एआई सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में कई सवाल पैदा किये। सवाल उठाया कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया

चिंतन-मनन

सोच समझकर हो प्रशंसा

अक्सर जब तुम प्रशंसा करते हो तो किसी और की तुलना में करते हो। किसी एक की प्रशंसा करने में हम किसी दूसरे को नीचा दिखाते हैं और किसी की गलती को दर्शाने के लिए हम दूसरे की प्रशंसा करते हैं। कुछ लोग प्रशंसा करने में कंजूस होते हैं और कुछ शर्मीले। कुछ लोगों को प्रशंसा करनी नहीं आती और प्रशंसा करना भूल जाते हैं। कुछ व्यक्ति मतलब के लिए प्रशंसा करते हैं और कुछ तुम्हें उठाने के लिए। कुछ और लोग अपने आत्मविश्वास की कमी को छुपाने के लिए स्वयं की प्रशंसा करते हैं। किन्तु वास्तविक प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से निकलती है। जो प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से आती है, वह स्वरूप से आती है और बिल्कुल भिन्न होती है। साधारणतः प्रशंसा लालसा और दम्भ से आती है। उन्नत चेतना की अवस्था से आई प्रशंसा पूर्णता से उभरती है। निःसंदेह प्रशंसा चेतना को उभारती है और उत्साह व ऊर्जा लाती है। परंतु साथ ही यह घमंड भी ला सकती है।

प्रशंसा करना भी एक कौशल है। जब कोई तुम्हारी प्रशंसा करता है, तो क्या तुम बिना शर्माए उसे स्वीकार करते हो? बिना शर्माए प्रशंसा को स्वीकार करना भी एक कुशलता है। तुम किसी की प्रशंसा कब करते हो? जब वे कुछ अनोखा करते हैं, असाधारण, जो उनके स्वभाव के अनुसार नहीं है। जब एक दुष्ट व्यक्ति कोई समस्या पैदा नहीं करता, तब तुम उसकी तारीफ करते हो। या कोई व्यक्ति जिसे भला नहीं समझते, जब कुछ नेक काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो। जब कोई भला आदमी अत्यन्त असाधारण काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो।

यदि कोई बच्चा एक प्याली चाय बनाता है तो तुम प्रशंसा करते हो, परंतु वही एक प्याली चाय यदि मां बनाए तो तुम शायद तारीफ न करो, क्योंकि उसके लिए यह नियमित कार्य है। इन सभी स्थितियों में जिन कार्य की तुम प्रशंसा करते हो, वे अल्पकालिक हैं, उनके आचरण से अलग या उनके स्वभाव के विपरीत। तो जब तुम किसी चीज के लिए किसी की प्रशंसा करते हो, तुम संकेत करते हो कि वे लोग साधारणतः ऐसे नहीं हैं। इसका मतलब है कि वह कार्य उनके स्वभाव में नहीं और इसीलिए वे अपनी प्रशंसा चाहते हैं- यह एक विरला गुण या कृत्य है। प्रशंसा एक अलगाव के भाव, एक दूरी को इंगित करती है, इसीलिए प्रशंसा करते समय सावधान रहो।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने बताए ट्रंप के अधिकार,टैरिफ रद्द

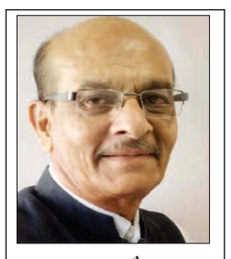

सनत जैन

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। अमेरिका की सर्वोच्च अदालत की 9 जजों की खंडपीठ ने 6 जजों के बहुमत से राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पिछले 1 साल मैं जिन देशों के ऊपर टैरिफ लगाया गया था, उसको अवैध करार दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अधिकांश देशों पर टैरिफ लगाकर समझौते के लिए जो दबाव बनाया जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार राष्ट्रपति को इस तरह से टेरिफ लगाने का कोई अधिकार ही नहीं था। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप ने आपातकालीन अधिकारों का प्रयोग करके, सारी दुनिया के देशों को डरा-धमकाकर मनमाफिक तरीके से समझौते करना चाहते थे। इसमें कुछ हद तक डोनाल्ड ट्रंप सफल भी हो गए हैं। भारत जैसे बड़े राष्ट्र को उन्होंने अपने शिकंजे में कस लिया है। भारत के साथ उन्होंने द्विपक्षी व्यापार मे टैरिफ को लेकर समझौता करने में सफल रहे हैं। इसी तरह का समझौता उन्होंने कई अन्य देशों के साथ भी पिछले कुछ महीनो में किए हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ का भय दिखाकर जो समझौते किए हैं। उस समझौते में कहीं ना कहीं ट्रंप का परिवार का फायदा शामिल है। जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के मित्र देशों और दुनिया के अन्य देशों में टैरिफ का भय दिखाकर अमेरिका के राष्ट्रीय हितों और अमेरिका की साख को एक बड़ा नुकसान पहुंचाने का काम किया है। इसके साथ ही टेरिफ के कारण अमेरिका की महंगाई बढी है, अमेरिका के व्यापारियों को बड़ा नुकसान हुआ है। टैरिफ के कारण सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका को भोगना पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने। इसके बाद अमेरिकी कानून के अनुसार वह तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते हैं। एक तरह से उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल का फायदा अपने परिवार को पहुंचाने के लिए, जो रणनीति अपनाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के निर्णय की समीक्षा कर उसे पूरी तरह से अवैध करार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है इस तरह के अधिकार केवल संसद को प्राप्त हैं। राष्ट्रपति को कुछ अधिकार आपातकालीन स्थितियों के लिए दिए गए थे। टेरिफ का निर्णय विषम परिस्थिति मे किसी एक या दो राष्ट्रों के साथ हो सकती थी। जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने इस कानून के तहत आपातकालीन अधिकार का इस्तेमाल करके मनमाने तरीके से टेरिफ लगाए गए हैं। वह अधिकारों का दुरुपयोग है। अमेरिका के व्यापारी यह मुकदमा विभिन्न अदालतों में लड़ते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। सभी अदालत से ट्रंप को मुंह की खानी पड़ी थी। टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिका में महंगाई बढ़ रही थी। अमेरिका के व्यापारियों के व्यापारिक हित प्रभावित हो रहे थे। ट्रंप का दावा था, टैरिफ लगाने से लगभग 600 अरब डॉलर का फायदा अमेरिका को हुआ है। इसका भार अमेरिका के नागरिकों और अमेरिका के व्यापारियों पर पड़ा है। टेरिफ को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर दिखाना पूरी तरह गलत था। अब यह बात सामने आ गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए अपने परिवार के कारोबार को बढ़ाने के लिए अधिकारों का दुरुपयोग किया है। असल में अमेरिका मे इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट लागू है । इसके तहत राष्ट्रपति को गंभीर खतरा और असाधारण अंतरराष्ट्रीय संकट की स्थिति में कुछ विशेष शक्तियां दी गई थी। इन शक्तियों के माध्यम से राष्ट्रपति तात्कालिक रूप से विदेशी लेनदेन पर रोक या प्रतिबंध लगा सकते थे। इस अधिकार का दुरूपयोग करते हुए ट्रम्प ने टैरिफ के माध्यम से दुनिया के सभी देशों को डरा धमकाकर मनमाने तरीके से समझौता करने का जो दवाब बनाया था। वह अमेरिकी हितों के लिए नहीं, वरन ट्रंप परिवार के लिए उपयोगी था। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ना तय हैं। पिछले 1 वर्ष में इस तरह के आरोप ट्रम्प पर लग रहे हैं। वह अपने पारिवारिक और व्यापारिक हितों के लिए पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस फैसले के बाद निश्चित रूप से डोनाल्ड ट्रंप की मुसीबतें बढ़ने वाली हैं। भारत-पाकिस्तान बांग्लादेश एवं कुछ अन्य देशों के साथ जो समझौतेअमेरिका द्वारा किए गए हैं। वह भविष्य में भी मान्य रहेंगे। समझौता दोनों पक्षों की सहमति के रूप में देखा जा रहा है। जिन देशों ने अमेरिका के साथ समझौते नहीं किए हैं। उनके टैरिफ अपने आप रद्द हो जाएंगे। अमेरिका की सरकार को कंपनियों और व्यापारियों को टेरिफ के कारण जो राजस्व अमेरिकी सरकार द्वारा वसूला गया था। उसे वापस भी करना पड़ सकता है। एक तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दादागिरी करते हुए अपने निजी एवं पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए जो निर्णय ले रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अब उसे पर रोक लग गई है। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया अमेरिका सहित सारे विश्व के देशों में होना तय है। अब देखते हैं, सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद अमेरिका में इस मामले का पटाक्षेप किस रूप में दुनिया को देखने को मिलता है। भारत ने अमेरिका के साथ टैरिफ को लेकर जो समझौता किया है। वह भारत के लिए एक फंदा बन गया है। भारत इससे कैसे बाहर निकलेगा,इसका रास्ता भारत को ही निकलना होगा। भारत सरकार ट्रंप के सामने इतनी बेवस क्यों हैं? इसको लेकर भारत की राजनीति में भी इसका असर देखने को मिलने लगा है।

मोदी लूला की दोस्ती ने किया कमाल, क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौते ने दुनिया में मचाया धमाल

नीरज कुमार दुबे

नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में आज वह तस्वीर दिखी जिसने वैश्विक शक्ति संतुलन की दिशा में नया संकेत दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की मौजूदगी में भारत और ब्राजील ने क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। साथ ही इस्पात आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण समझौता हुआ। यह आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, सामरिक स्वावलंबन और आर्थिक शक्ति के नए युग की घोषणा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि क्रिटिकल मिनरल्स पर हुआ समझौता मजबूत और लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। रक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के बीच भरोसे और रणनीतिक तालमेल का प्रमाण है। उन्होंने अगले दस वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को बीस अरब डॉलर से आगे ले जाने का लक्ष्य दोहराया। ब्राजील पहले ही लैटिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, अब यह संबंध नई ऊंचाई छूने को तैयार है।

राष्ट्रपति लूला ने भी भारत की प्रौद्योगिकी क्षमता की खुलकर सराहना की। सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति को उन्होंने भविष्य की साझेदारी का आधार बताया। उनके साथ आए मंत्रियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों का बड़ा दल यह संकेत देता है कि यह मित्रता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक और औद्योगिक धरातल पर भी मजबूत हो रही है।

हम आपको बता दें कि ब्राजील लौह अयस्क, मैंगनीज, निकल और नियोबियम जैसे खनिजों का विश्व के प्रमुख उत्पादकों में है। भारत की इस्पात उत्पादन क्षमता 218 मिलियन टन तक पहुंच चुकी है और आधारभूत ढांचे के विस्तार के साथ इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में ब्राजील के साथ खनन, प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण और उन्नत तकनीक पर सहयोग भारत को कच्चे माल की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

वहीं, क्रिटिकल मिनरल्स समझौता केवल उद्योग की जरूरत नहीं, बल्कि सामरिक आवश्यकता है। विश्व में रेयर अर्थ उत्पादन पर चीन का लगभग एकाधिकार रहा है। भारत लंबे समय से निर्भरता कम करने की रणनीति पर काम कर रहा है। ब्राजील के साथ यह साझेदारी उस रणनीति को ठोस आधार देती है। इससे भारत की रक्षा, ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों, अंतरिक्ष और उच्च तकनीक उद्योगों को स्थायी आपूर्ति मिलेगी।

देखा जाये तो भारत और ब्राजील की यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय नहीं है। यह ग्लोबल साउथ की सामूहिक आवाज को मजबूती देती है। जब दो बड़े लोकतंत्र खनिज, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य और तकनीक में हाथ मिलाते हैं तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का समीकरण बदलता है। पश्चिमी शक्तियों और चीन के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा के दौर में यह समझौता तीसरे ध्रुव की संभावना को मजबूत करता है।

ऊर्जा क्षेत्र में जैव ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा और सतत उड्डयन ईंधन पर सहयोग हरित भविष्य की दिशा में कदम है। आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना और जलवायु अनुकूल कृषि में साझा पहल विकासशील देशों के लिए उदाहरण बन सकती है। स्वास्थ्य और औषधि क्षेत्र में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं की आपूर्ति ब्राजील के लिए लाभकारी होगी, वहीं भारतीय औषधि उद्योग को विशाल बाजार मिलेगा।

वहीं रक्षा क्षेत्र में बढ़ता तालमेल हिंद महासागर और दक्षिण अटलांटिक क्षेत्र में सामरिक संतुलन को प्रभावित करेगा। समुद्री सुरक्षा, संसाधन संरक्षण और तकनीकी साझेदारी से दोनों देश अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर सकते हैं।

देखा जाये तो भारत की विदेश नीति पिछले कुछ वर्षों में आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह सिद्ध किया है कि मित्रता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक निवेश होती है। ब्राजील के साथ बढ़ती निकटता इसी सोच का परिणाम है। मोदी की नीति बहु ध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलित और स्वायत्त भूमिका की है। एक ओर पश्चिमी देशों से गहरे संबंध, दूसरी ओर रूस से सामरिक तालमेल और साथ ही वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ सघन सहयोग। ब्राजील के साथ क्रिटिकल मिनरल्स और इस्पात समझौता इसी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है। यह संदेश स्पष्ट है कि भारत अपने औद्योगिक और सामरिक भविष्य को किसी एक स्रोत पर निर्भर नहीं छोड़ेगा। इस साझेदारी से भारत को कच्चे माल की सुरक्षा, नई तकनीक, निवेश और बाजार मिलेगा। ब्राजील को भारत की तकनीकी दक्षता, औषधि आपूर्ति, डिजिटल ढांचा और विशाल उपभोक्ता बाजार का लाभ मिलेगा। दोनों देश मिलकर वैश्विक मंचों पर संस्थागत सुधार, आतंकवाद के विरोध और विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देंगे।

यह समझौता एक रणनीतिक घोषणा है कि भारत अपने पक्के दोस्तों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। आने वाले वर्षों में यदि यह सहयोग योजनाओं से निकलकर जमीन पर उतरता है तो यह एशिया और लैटिन अमेरिका के बीच नए शक्ति सेतु का निर्माण करेगा। यही वह दिशा है जिसमें भारत आत्मनिर्भर, प्रभावशाली और निर्णायक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर सकता है।

भारत का भाग्य,भविष्य और भय के बीच खड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता युग

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित एआई इम्पैक्ट सम्मेलन भारत के आधुनिक इतिहास में एक निर्णायक क्षण के रूप में दर्ज किया जाएगा।यह केवल एक अन्तराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन नहीं था,बल्कि एक सभ्यतागत घोषणा थी - कि भारत अब अपनी नियति कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति से गढ़ना चाहता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में यह आयोजन भारत की उस महत्वाकांक्षा का प्रतीक बना, जिसमें तकनीक विकास का साधन नहीं,बल्कि राष्ट्र-निर्माण का दर्शन बन रही है।प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन भाषण में जिस आत्म विश्वास से कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत का भाग्य और भविष्य है,वह कथन किसी राजनीतिक भाषण से अधिक एक रणनीतिक उद्घोष था।यह उस भारत की आवाज थी,जो औपनिवेशिक युग में औद्योगिक क्रांति से वंचित रहा, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति में सेवा क्षेत्र तक स्वयं को सीमित रखा,और अब तीसरी बड़ी तकनीकी क्रांति–कृत्रिम बुद्धिमत्ता - में नेतृत्व की आकांक्षा रखता है।

मोदी सरकार के लिए एआई केवल तकनीकी उपकरण नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 के स्वप्न का मुख्य इंजन है।जिस प्रकार बीसवीं सदी में रेल,बिजली और सड़क राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला बने, उसी प्रकार इक्कीसवीं सदी में डेटा, एल्गोरिद्म और सुपरकंप्यूटिंग को राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचे के रूप में देखा जा रहा है।प्रधानमंत्री ने एआई को ह्लडिजिटल स्वराजह्व का मार्ग बताया - एक ऐसा स्वराज जिसमें भारत तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमार्ता और नियंता होगा। अश्विनी वैष्णव का दृष्टिकोण इस स्वप्न को संस्थागत ढाँचा देने का प्रयास है।उन्होंने एआई को राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर की संज्ञा देते हुए कहा कि भारत को अपने स्वयं के फाउंडेशन मॉडल,राष्ट्रीय डेटा ग्रिड और सुपरकंप्यूटिंग क्षमता विकसित करनी होगी।उनका मानना था कि एआई भारत के लिए वही भूमिका निभाएगा, जो बीसवीं सदी में रेलवे और बिजली ने निभाई–देश को जोड़ने और गति देने की भूमिका।

एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में कई रणनीतिक घोषणाएँ की गईं, जो भारत के तकनीकी भविष्य की दिशा निर्धारित करती हैं।सरकार ने राष्ट्रीय एआई कंप्यूट ग्रिड, स्वदेशी भाषा मॉडल,सरकारी सेवाओं में एआई के व्यापक उपयोग,स्वास्थ्य और शिक्षा में डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्मार्ट शहरों और रक्षा प्रणालियों में एआई आधारित समाधान विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत को एआई अनुसंधान, स्टार्टअप और उद्योग का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए नीति,वित्त और अवसंरचना के समन्वित प्रयासों की घोषणा की गई।इस सम्मेलन की एक प्रमुख उपलब्धि विदेशी निवेश को आकर्षित करने की दिशा में थी। वैश्विक टेक कंपनियों, निवेश फंडों और बहुराष्ट्रीय निगमों ने भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश की रुचि दिखाई।डेटा सेंटर,क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइन और एआई स्टार्टअप में अरबों डॉलर के निवेश प्रस्तावों की चर्चा हुई।भारत को एआई निर्माण और अनुसंधान का वैश्विक हब बनाने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों की घोषणा की गई। यह संकेत है कि वैश्विक पूंजी भारत को अगली तकनीकी क्रांति का महत्वपूर्ण केंद्र मान रही है।

विदेशी निवेश के साथ रोजगार की संभावनाएँ भी इस सम्मेलन का केंद्रीय विषय रहीं।सरकार और उद्योग जगत का दावा है कि एआई भारत में लाखों नई नौकरियाँ पैदा करेगा - डेटा वैज्ञानिक, एआई इंजीनियर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, चिप डिजाइनर, डिजिटल सेवा प्रदाता और तकनीकी प्रशिक्षक जैसे क्षेत्रों में। साथ ही, एआई आधारित स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासनिक सेवाओं में नए प्रकार के रोजगार उत्पन्न होंगे। यह आशा व्यक्त की गई कि भारत की विशाल युवा जनसंख्या को एआई युग के लिए कौशल प्रदान कर वैश्विक कार्यबल का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जाएगा।

परंतु इतिहास हमें सिखाता है कि हर तकनीकी क्रांति अवसरों के साथ विस्थापन भी लाती है। औद्योगिक क्रांति ने पारंपरिक कारीगरों को विस्थापित किया, सूचना क्रांति ने डिजिटल डिवाइड को जन्म दिया, और एआई क्रांति मानव श्रम के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा कर रही है।मशीनें न केवल शारीरिक श्रम, बल्कि बौद्धिक श्रम भी करने लगी हैं।पत्रकारिता, बैंकिंग, कानून,शिक्षा,चिकित्सा और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में एआई का प्रवेश तेजी से हो रहा है।आम आदमी के मन में यह भय स्वाभाविक है कि कहीं यह तकनीक उसकी आजीविका न छीन ले।सरकार कौशल विकास और पुनः प्रशिक्षण की बात करती है, परंतु भारत जैसे विशाल और विविध समाज में यह कार्य कितना प्रभावी होगा, यह एक खुला प्रश्न है। ग्रामीण,असंगठित और कम शिक्षित श्रमिक वर्ग के लिए एआई युग में समायोजन आसान नहीं होगा।यदि एआई नीति सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा सुधार और रोजगार पुनर्गठन के साथ नहीं जुड़ी,तो यह तकनीकी प्रगति सामाजिक असंतोष का कारण बन सकती है।

एक अन्य गहरा प्रश्न मानव निर्णयों पर मशीन के प्रभाव का है। यदि शासन,न्याय और सुरक्षा में एआई का उपयोग बढ़ता है,तो मानवीय विवेक,नैतिकता और संवेदना का स्थान एल्गोरिद्म ले सकता है। एल्गोरिद्म निष्पक्ष होने का दावा करता है, परंतु वह भी मानव निर्मित होता है और उसमें मानव पूर्वाग्रह समाहित हो सकते हैं। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय मानव प्रतिनिधियों और संस्थाओं के हाथ में होना चाहिए,परंतु एआई की बढ़ती भूमिका लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को जटिल बना सकती है।डेटा और गोपनीयता का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है।एआई डेटा पर आधारित है,डेटा आधुनिक युग का नया तेल बन चुका है।नागरिकों की निजी जानकारी,व्यवहार, स्वास्थ्य,शिक्षा और वित्तीय विवरण एआई प्रणालियों में प्रवाहित होंगे। यह प्रश्न उठता है कि इस डेटा का स्वामी कौन होगा - नागरिक,सरकार या कॉर्पोरेट? भारत में डेटा संरक्षण कानून विकसित हो रहे हैं, परंतु आम नागरिक के मन में यह आशंका है कि कहीं उसकी निजता तकनीकी प्रगति की बलि न चढ़ जाए।डिजिटल असमानता का प्रश्न भारत के लिए विशेष रूप से गंभीर है। भारत एक असमान समाज है–शहरी और ग्रामीण, अमीर और गरीब, शिक्षित और अशिक्षित के बीच गहरी खाई है।यदि एआई केवल शहरी,अंग्रेजी-भाषी और तकनीकी रूप से सक्षम वर्ग तक सीमित रहा,तो यह खाई और गहरी हो सकती है। मोदी सरकार भारतीय भाषाओं में एआई मॉडल विकसित करने की बात करती है, ताकि ग्रामीण और क्षेत्रीय भाषाओं के नागरिक भी लाभान्वित हों।यह एक सकारात्मक संकेत है,परंतु इसे नीति और संसाधनों के स्तर पर वास्तविक रूप देना चुनौतीपूर्ण होगा।एआई इम्पैक्ट सम्मेलन 26 में भारत बनाम अमेरिका और चीन की तकनीकी प्रतिस्पर्धा का संदर्भ भी स्पष्ट था। अमेरिका एआई अनुसंधान और नवाचार में अग्रणी है, चीन एआई को राज्य-नियंत्रित रणनीतिक हथियार के रूप में विकसित कर रहा है, और भारत तीसरा रास्ता खोज रहा है–लोकतांत्रिक, समावेशी और मानव-केंद्रित एआई विकास का मॉडल। यह एक कठिन लेकिन नैतिक रूप से आवश्यक मार्ग है। यदि भारत इस मार्ग पर सफल होता है, तो वह केवल तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि नैतिक वैश्विक नेतृत्व भी स्थापित कर सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानव चेतना, समाज और सभ्यता को पुनर्परिभाषित करने वाली शक्ति है। भारतीय दर्शन में बुद्धि को विवेक, धर्म और करुणा से जोड़ा गया है। मशीन बुद्धि में यह विवेक और करुणा कहाँ से आएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और आध्यात्मिक भी है। भारत, जो योग, दर्शन और मानव चेतना के अध्ययन की प्राचीन परंपरा रखता है, एआई युग में मानव और मशीन के संबंध पर वैश्विक विमर्श का नेतृत्व कर सकता है।

एआई इम्पैक्ट 2026 इस द्वंद्व का प्रतीक था - एक ओर भारत का स्वप्न, दूसरी ओर भारत का भय। मोदी मिशन और वैष्णव विजन भारत को एआई महाशक्ति बनाने का संकल्प लेते हैं। विदेशी निवेश, तकनीकी साझेदारी और रोजगार की संभावनाएँ भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर प्रस्तुत करती हैं। यदि भारत एआई उत्पादन, चिप निर्माण,डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर और अनुसंधान में आत्मनिर्भर बनता है, तो वह 21वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्तंभ बन सकता है।

परंतु यह यात्रा तभी सफल होगी, जब एआई को लोकतांत्रिक, समावेशी और मानव-केंद्रित बनाया जाएगा। तकनीक को पूंजी और सत्ता के केंद्रीकरण का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानव कल्याण का माध्यम बनाना होगा। रोजगार पुनर्गठन, शिक्षा सुधार, डिजिटल समावेशन और डेटा संरक्षण को एआई नीति के साथ एकीकृत करना होगा।एआई भारत का भाग्य और भविष्य बन सकता है, परंतु केवल तब,जब यह मानवता का विस्तार बने, उसका विकल्प नहीं। भारत के सामने अवसर भी है और चुनौती भी। एआई इम्पैक्ट 2026 ने भविष्य का द्वार खोल दिया है–अब यह भारत पर निर्भर है कि वह इस द्वार से होकर एक न्यायपूर्ण, समावेशी और विवेकपूर्ण तकनीकी सभ्यता की ओर बढ़ता है, या फिर एक ऐसी मशीन-प्रधान दुनिया की ओर, जहाँ मानव केवल उपभोक्ता बनकर रह जाए।भारत का भाग्य और भविष्य अब एल्गोरिद्म,डेटा और मशीनों की प्रयोगशालाओं में लिखा जा रहा है, परंतु उसकी आत्मा अभी भी मानव विवेक,करुणा और लोकतंत्र में बसती है। यही द्वंद्व एआई युग के भारत की सबसे बड़ी कहानी भी है जिम्मेदारी भी होगी जो अभी अतीत के गर्भ में छुपी है।

संक्षिप्त डायरी

वैन तालाब में गिरी, मासूम समेत चार की मौत

कानपुर देहात, (एजेंसी) । जनपद के शिवली थानाक्षेत्र में शुक्रवार देर शाम तेरहवीं से लौट रही बेकाबू वैन तालाब में पलट गई। कार में सवार एक ही परिवार के 4 लोगों की पानी में डूबकर मौत हो गई। मरने वालों में बुजुर्ग पति-पत्नी, बेटी और दो साल का नाती शामिल हैं। औरैया में रहने वाले राजकिशोर अपने परिवार से साथ कानपुर ले कल्यानपुर थानाक्षेत्र में अपने रिश्तेदार के घर तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने आये थे। कार्यक्रम होने के बाद देर शाम वापस औरैया निकल रहे थे। अभी उनकी वैन जिसमें उनको लगाकर 11 लोग सवार थे। वापसी के दौरान उनकी वैन शिवली थानाक्षेत्र के बैरी सवाई में अनियंत्रित होकर एक तालाब में गिर गई और पानी मे डूबने लगी। वहां से निकल रहे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से लोगों को तालाब से बाहर निकाला।सभी को तत्काल सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टरों ने राजकिशोर, उनकी पत्नी स्नेहलता अग्निहोत्री (55), बेटी हिमांशु अग्निहोत्री (30) पत्नी अंकुर अग्निहोत्री, दो वर्षीय नाती शिव अग्निहोत्री को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों कृतिका अग्निहोत्री (30), सुधा वाजपेयी (45), वाणी अग्निहोत्री (3), कान्हा (4) और सुधांशु अग्निहोत्री (24) को प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया है।जनपद की पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडे ने बताया कि शिवली पुलिस को एक वैन के डूबने की सूचना मिली , पुलिस ने तत्काल उसमे फंसे अभी लोगों को बाहर निकलवा कर इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। जहां चार लोगों के मौत की डॉक्टर ने पुष्टि की है। अन्य लोगों का इलाज जारी है।

आईजीआरएस की समीक्षा में सख्ती, लापरवाही पर अधिकारियों का वेतन रोकने के निर्देश

जौनपुर, (एजेंसी) । यूपी के जौनपुर में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने शुक्रवार रात कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ा रुख अपनाया। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।समीक्षा में पाया गया कि कुछ अधिकारियों ने शिकायतों की समुचित जांच किए बिना और शिकायतकताओं से संपर्क स्थापित किए बिना ही प्रकरणों का निस्तारण कर उन्हें स्पेशल क्लोज कर दिया। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने उपजिलाधिकारी सदर, उपनिदेशक कृषि, अधिशासी अभियंता विद्युत, समस्त तहसीलदारों सहित संबंधित अधिकारियों का चालू माह का वेतन रोकने के निर्देश जारी किए।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, तथ्यपरक और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता से आवश्यकतानुसार संपर्क कर वास्तविक स्थिति का सत्यापन करने के बाद ही रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड की जाए।उन्होंने चेतावनी दी कि बिना समुचित परीक्षण के शिकायतों का निस्तारण करना शासन की मंशा के विपरीत है। भविष्य में ऐसी लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध उत्तरदायित्व तय कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) परमानंद झा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित एवं संतोषजनक समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

मीरजापुर, (एजेंसी) । लालगंजझहलिया मार्ग पर शुक्रवार की रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। लालापुर गांव के सामने अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज ले गई, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मध्य प्रदेश निवासी 19 वर्षीय रज्जन कोल रजई गांव से किसी कार्य से लालगंज की ओर जा रहा था। रात करीब सात बजे जैसे ही वह लालापुर गांव के पास पहुंचा, पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायल को सीएचसी लालगंज पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी अभय कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मृत्यु हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और वाहन की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

पहले ही बार में जीती बाजी: श्रीयांश का जेईई मेन में 99.12 पर्सेंटाइल

मीरजापुर,(एजेंसी) । चुनार नगर के लोवर लाइन स्थित संत थॉमस स्कूल चुनार के इंटरमीडिएट के छात्र श्रीयांश कुमार सिंह ने जेईई मेन्स परीक्षा में पहले ही प्रयास में 99.12 पर्सेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता से परिजनों और शिक्षकों में खुशी की लहर है। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर संतोष कुमार ने श्रीयांश को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उसकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि श्रीयांश आगामी जेईई एडवांस परीक्षा में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा। वाराणसी के चिरई ब्लॉक निवासी श्रीयांश वर्तमान में चुनार में अपने फूफा मन्ना सिंह के यहां रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब उनका लक्ष्य जेईई एडवांस उत्तीर्ण कर किसी प्रतिष्ठित संस्थान से कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग करना है। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने माता-पिता के सहयोग, गुरुजनों के मार्गदर्शन और नियमित अध्ययन को दिया। श्रीयांश की इस उपलब्धि पर नगर के संभ्रांत लोगों, शिक्षकों और सहपाठियों ने उन्हें बधाई दी है।

पुलिस कॉन्स्टेबल ने सर्विस पिस्टल से खुद को मारी गोली , मौत

बागपत (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में दिल्ली पुलिस के एक कॉन्स्टेबल ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है, पुलिस ने मौके से सर्विस पिस्टल बरामद की है और मामले की जांच चल रही है। मृतक दिल्ली पुलिस कांस्टेबल का नाम पीयूष है जो बागपत जनपद के आजमपुर मूलसम गांव का रहने वाला है। पीयूष को उसके पिता की मृत्यु उपरांत वर्ष 2018-19 में अनुकंपा नियुक्ति कोटे से भर्ती कराया गया था। पीयूष का बड़ा भाई विदेश में नौकरी करता है। पीयूष की अभी तक शादी भी नहीं हुई थी। जानकारी के अनुसार पियूष शुक्रवार शाम को गांव गया था। देर शाम को उसने घर पर अपनी सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मार ली। पीयूष को गंभीर हालत में बड़ोत के एक प्राइवेट अस्पताल में परिजनों द्वारा भर्ती कराया गया था जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। देर शाम उसकी मौत हो गई । दोघट थाना पुलिस ने घटनास्थल से पीयूष की सर्विस पिस्टल बरामद की है

उत्तर प्रदेश के दो लाख 51 हजार किसान परिवारों को दी गई 285 करोड़ रुपये की फसल क्षतिपूर्ति

लखनऊ, (एजेंसी) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के दो लाख 51 हजार किसान परिवारों को 285 करोड़ रुपये की फसल क्षतिपूर्ति प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि फसल का बीमा करवाने पर आपदा के समय फसल नुकसान होने पर आर्थिक सहायता प्राप्त होती है, यह राशि अन्नदाता किसानों को संबल है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत सहायता राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश के दो लाख 51 हजार किसान परिवारों को 285 करोड़ रुपये की फसल क्षतिपूर्ति प्रदान की गई है। यह वे किसान हैं जिन्हें अतिवृष्टि

या सूखे के कारण नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि आपदा खतरनाक होती है। मनुष्य की कमी कोई पूरा नहीं कर सकता लेकिन सरकार संबल देने के लिए खड़ी है। अन्नदाता किसानों को सरकार आज उन्हें योजना से जोड़ रही है। सरकार हमेशा सहयोग करने को तैयार रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल का बीमा कराने से बहुत छोटा सा हिस्सा खर्च होता है लेकिन किसी आपदा के कारण नुकसान हुआ तो उसकी भरपाई ऐसे होती है। मै यहां देख रहा था कि किसी किसान को एक लाख 17 हजार की राशि तो किसी को एक लाख 72 हजार की राशि, दो लाख 11 हजार तो किसी को 88 हजार की राशि प्राप्त हुई है। यह सभी अन्नदाता किसानों के लिए संबल है। पहले प्रदेश में आपदा आती

थी तो वर्षों तक पीड़ित का कोई पुरसाहाल नहीं होता था। कम्पनसेशन तो दूर की बात थी, 2015-16 में किसानों के खाते में दो रुपये, चार रुपये जाते हुए देखा गया है। सरकार बदली, हमने कार्यवाही शुरू की। आपदा के 24 घण्टे में पीड़ित को सहायता राशि देने की कार्यवाही की जा रही है। इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख के अलावा शासन के अधिकारी मौजूद रहे।

वध के लिए जा रहे सात गोवंश संग पिकअप कब्जे में, मालिक पर मुकदमा

मीरजापुर, (एजेंसी) । राजगढ़ थाना क्षेत्र के नौडिहवा गांव के पास नहर किनारे खड़ी पशु लदी पिकअप की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शनिवार भोर करीब पांच बजे वाहन सहित सात गोवंशों को कब्जे में ले लिया। पिकअप मालिक के विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में सक्रिय पशु तस्कर राजगढ़झमधुपुर मार्ग से पशुओं को बिहार वध के लिए ले जाते हैं। शुक्रवार रात एक पिकअप में सात गोवंश लादकर ले जाया जा रहा था। नौडिहवा गांव की नहर पर पहुंचते ही वाहन का अगला पहिया पंचर हो गया। रात होने के कारण मरम्मत नहीं हो सकी और तस्कर पशुओं समेत पिकअप को छोड़कर फरार हो गए। शनिवार सुबह टहलने निकले ग्रामीणों ने नहर पर लावारिश खड़ी पिकअप देखी। तिरपाल हटाकर देखने पर अंदर रस्सी से बंधे गोवंश मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर से पिकअप को खिंचवाकर थाने पहुंचाया। वाहन नंबर के आधार पर मालिक की पहचान कर उसके विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। बरामद सातों गोवंशों को पशु आश्रय केंद्र भेज दिया गया है। इस संबंध में राजगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश पांडेय ने बताया कि वध के लिए ले जाए जा रहे सात गोवंश बरामद हुए हैं। पिकअप मालिक के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शॉर्ट सर्किट से हाईवे पर ट्रक में लगी भीषण आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

बरेली, (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के बरेली में बहेड़ी नगर के नैनीताल रोड स्थित शेरगढ़ रोड तिराहे के पास शुक्रवार रात को शॉर्ट सर्किट के कारण एक ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही पलों में ट्रक धू-धू कर जलने लगा। गनीमत रही कि चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए साइड की खिड़की तोड़कर बाहर कूदकर अपनी जान बचाई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक नैनीताल रोड हाईवे से गुजर रहा था, तभी उसमें से धुआं उठता दिखाई दिया। चालक कुछ समझ पाता, उससे पहले ही आग ने विकराल रूप ले लिया। आशंका है कि ट्रक की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट होने से हादसा हुआ। चालक ने तुरंत वाहन सड़क किनारे रोका और बाहर निकल आया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक ट्रक का अधिकांश हिस्सा जलकर क्षतिग्रस्त हो चुका था। आग लगने से हाईवे के दोनों ओर यातायात कुछ देर के लिए बाधित रहा।

संभल में तैयार हर्बल गुलाल चेहरे के लिए सुरक्षित और पर्यावरण मित्र होली की बेहतर पहल

संभल, (एजेंसी) । होली के रंग जहां खुशियां लाते हैं, वहीं केमिकल युक्त गुलाल कई बार त्वचा, आंख और बच्चों के लिए नुकसानदेह साबित होता है। इसी समस्या को देखते हुए उत्तर प्रदेश के जनपद संभल के रहने वाले हर्ष गुप्ता ने पूरी तरह हर्बल और ऑर्गेनिक गुलाल बनाने की पहल की। उनकी यह पहल आज उप्र तक में सीमित नहीं रही बल्कि 10 से 12 राज्यों में लोगों की पसंद बन चुका है। होली रंगों का त्योहार है। होली का पर्व नजदीक आते ही हाथरस के रंगों की बात लोगों की जुबान पर आ जाती है, लेकिन अब उत्तर प्रदेश का संभल भी इससे पीछे नहीं है। पिछले 40 वर्षों से संभल में रंग तैयार हो रहा है और यह रंग भारत देश के 10 से 12 राज्यों में जाता है। पहले उत्तर प्रदेश क्या अन्य राज्यों के लोग भी रंग लेने के लिए हाथरस जाते थे, लेकिन अब संभल के रंगों की डिमांड प्रदेश सहित अन्य

राज्यों में बढ़ती जा रही है। रंगों के विषय में हर्ष गुप्ता बताते हैं कि हर्बल गुलाल बनाने का विचार इसलिए आया ताकि लोग बिना किसी डर के होली खेल सकें। इस गुलाल में पोटैटो स्टार्च (आलू का आटा) और कॉर्न स्टार्च (मक्का का आटा) का इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें फूड कलर और अहमदाबाद व कन्नौज के फूलों की प्राकृतिक खुशबू मिलाई जाती है। तैयार मिश्रण को खेतों में तिरपाल पर 7झ8 दिन तक प्राकृतिक धूप में सुखाया जाता है। फिर उसकी पिसाई कर अलग-अलग पैकिंग में बाजार भेजा जाता है। करीब 28 साल पहले फैक्ट्री स्तर पर शुरू हुआ यह काम, अनुभव के लिहाज से आज 40झ45 साल का सफर तय कर चुका है। यहां रोजाना 2 से ढाई टन तक गुलाल तैयार होता है। बच्चों के लिए खासतौर पर स्किन-लविंग और एलर्जी-फ्री गुलाल, गुलाल की पिचकारी, चॉकलेट, मिंट और नारियल खुशबू वाले रंग भी बनाए जाते हैं। हर्ष ने बताया कि हर्बल गुलाल न सिर्फ सुरक्षित है बल्कि पर्यावरण के लिए भी बेहतर है, क्योंकि यह मिट्टी में घुल जाता है और पानी को प्रदूषित नहीं करता। होली के सीजन में इस फैक्टरी से 40झ50 स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलता है। हर्ष गुप्ता के मुताबिक उनका गुलाल खास तौर पर उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और बरेली समेत कई जिलों में सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। प्राकृतिक तरीके से बनने और अधिक मेहनत लगने के कारण हर्बल गुलाल आम गुलाल से थोड़ा महंगा जरूर है, लेकिन सेहत और पर्यावरण के लिहाज से यह कहीं बेहतर विकल्प साबित हो रहा है।

नहर का तटबंध टूटा, खेतों में भरा पानी

मीरजापुर, (एजेंसी) । जिगना क्षेत्र के दत्तपट्टी परवा गांव में बीते पांच दिनों से नहर का तटबंध टूटने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। खेतों में पानी भर जाने से सिंचित क्षेत्र की दलहन और तिलहन की फसलें नष्ट हो रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कार्यदाई संस्था लघु डाल नहर प्रखंड के अधिकारी मामले से अनभिज्ञ बने हुए हैं। किसानों ने बताया कि अर्जुनपुर पंप कैनाल से निकली करीब छह किलोमीटर लंबी नहर के टेल से एक किलोमीटर पश्चिम दत्तपट्टी गांव में बिना पाइप लाइन बिछाए नहर पाटकर सड़क बना दी गई। इससे पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहते हुए आसपास के खेतों में

भर रहा है। ओवरफ्लो के दबाव से नहर का तटबंध भी टूट गया है।

लघु डाल नहर खंड के एसडीओ निरंजन कुमार पटेल ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है, जानकारी लेकर दुरुस्त कराने का प्रयास किया जाएगा। अवर अभियंता बीएल बिंद ने कहा कि पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से वार्ता कर नहर में पाइप लाइन की व्यवस्था कराई जाएगी, फिलहाल नहर में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। वहीं पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता श्रवण कुमार के अनुसार एक सप्ताह में कार्ययोजना बनाकर भूमिगत पाइप लाइन बिछाई जाएगी।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य कृपा शंकर मिश्र, प्रधान संदीप शुक्ला समेत अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिना पाइप लाइन के नहर पाटकर सड़क बना दी गई है और सूचना के बावजूद पंप नहर बंद नहीं किया गया। किसानों मनोरथ, हिंछलाल, जमुना, पंधारी, नरेश, मौजी लाल आदि ने बताया कि सरसों, मटर, चना व मसूर की फसलें चौपट हो रही हैं। पांच दिन बाद भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे हैं, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है।

अमेठी : ऑपरेशन लंगड़ा जारी ,एक घायल ल,5 अन्य गिरफ्तार

अमेठी, (एजेंसी) । बीते शुक्रवार को इन्हौना थाना क्षेत्र के करन गांव के जंगल में गौकशी की घटना कारित करने के आरोपी के साथ इन्हौना पुलिस की मुठभेड़ हो गई । जिसमें अभियुक्त को गोली लगने से वह घायल हो गया।उसे उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। जनपद के अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि पुलिस अधीक्षक, सरवणन टी. के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। इसके बाद बीती रात इन्हौना थाने की पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि अभियुक्त गंदा नाला से सेमरौता मार्ग पर जा रहा है। सूचना मिलते ही थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी किया। खुद को पुलिस से घिरता देख आरोपित जुनैद अहमद ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में फायर करते हुए उसके पैर में गोली मार दिया। जिससे अभियुक्त घायल होकर वहीं पर गिर पड़ा। पुलिस ने तत्काल घायल अभियुक्त को हिरासत में लेकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा । मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस, एक मोटरसाइकिल और पशु वध में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए हैं। यही नहीं पुलिस ने घायल आरोपित के बयान के आधार पर विभिन्न स्थानों पर दबिश दी गई और कार्यवाही में अन्य पांच आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया है। फिलहाल खबर लिखे जाने तक अभियुक्त जुनैद अहमद और अन्य अपराधियों के अपराधिक इतिहास इत्यादि के विषय में अधिक जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी है।

कार की टक्कर से ई-रिक्शा सवार बच्चे की मौत, चार घायल

फरुर्खाबाद, (एजेंसी) । कादरीगेट थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने शुक्रवार देर रात को एक ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार मासूम बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसकी मां, दादी, बड़ा भाई और ई-रिक्शा चालक घायल हो गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। रोडवेज पुलिस चौकी प्रभारी कपिल कुमार ने शनिवार को बताया कि शहर कोतवाली के साहिबगंज नारायण दास निवासी अभिजीत तिवारी का तीन वर्षीय पुत्र तेजस तिवारी अपनी मां पूजा तिवारी, 13 वर्षीय बड़े भाई चेतन तिवारी और दादी रीता तिवारी के साथ आवास विकास स्थित डायमंड पैलेस से देर रात 12:30 बजे ई-रिक्शा से घर लौट रहा था। ई-रिक्शा बढ़पुर स्थित क्रिश्चियन इंटर कॉलेज के सामने पहुंचा, तभी एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मासूम बच्चे तेजस को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दादी रीता तिवारी, मां पूजा तिवारी, भाई चेतन तिवारी और ई-रिक्शा चालक सोनू घायल है। चौकी इंचार्ज ने बताया कि दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया, हालांकि उसकी पहचान कर ली गई है। शव को पोस्टमार्टम भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्जकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मनबढ़ों ने देर रात छात्र नेता के घर की फायरिंग, घंटों में पुलिस ने 'मुख्य आरोपी' को दबोचा

गोरखपुर (एजेंसी) । सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों के साथ भारी फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। इसमें एक नेता का बेटा है। पूछताछ के बाद पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी आर्थक प्रताप सिंह संग विपिन व अनीश शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया। आर्थक, कुशीनगर में डांसर के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म का आरोपी भी है। कोतवाली थाना क्षेत्र के अलीनगर उत्तरी मोहल्ले में शुक्रवार की रात

सपा से जुड़े छात्र नेता के घर के बाहर बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहशत फैला दी। आरोप है कि विरोध पर घर में मौजूद उनकी मां से मारपीट भी की गई। प्रारंभिक जांच में एक युवती से बातचीत को लेकर वारदात की आशंका जताई गई है। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों के साथ भारी फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। इसमें एक नेता का बेटा है। पूछताछ के बाद पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी आर्थक प्रताप सिंह संग विपिन व अनीश शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया। आर्थक, कुशीनगर में डांसर के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म का आरोपी भी है। बताया जा रहा है कि कोतवाली क्षेत्र निवासी उज्ज्वल यादव समाजवादी छात्र सभा के नेता हैं। फिलहाल बाहर गए हुए हैं। घर पर उनकी मां संध्या, पिता अंबुज और दो बहनें मौजूद थीं। शुक्रवार रात करीब 11:20 बजे दो बाइक पर सवार चार युवक उनके घर के सामने पहुंचे। आरोप है कि बदमाशों ने ट्रांसफार्मर के पास खड़े होकर दाएं-बाएं दिशा में करीब आठ राउंड फायरिंग की। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों में दुबक गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से आठ खोखे बरामद किए हैं। परिजनों का आरोप है कि फायरिंग के दौरान आरोपियों ने उज्ज्वल की मां संध्या का मुंह दबाकर उनके साथ मारपीट भी की।

घटना की सूचना पर एसपी सिटी अभिनव त्यागी, सीओ कोतवाली ओंकार दत्त और सीओ कैंट योगेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कराई। पुलिस का कहना है कि घटना से जुड़े अहम सुराग हाथ लगे हैं। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हरियाणा में साढ़े 12 हजार पदों पर जल्द नई भर्तियां, युवाओं को विदेश में भी मिलेगा रोजगार; पंजाब में बोले सीएम नायब सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा में पिछले एक वर्ष में 37 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। हाल ही में 12 हजार 500 पदों पर भर्तियां निकाली गई हैं, जिन्हें पूर्ण पारदर्शिता के साथ जल्द ही भर दिया जाएगा। नौकरियों में सभी वर्गों के युवाओं को समान अवसर दिए जा रहे हैं। विदेश सहयोग विभाग के माध्यम से वैध तरीके से विदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि युवाओं की नई सोच और सकारात्मक ऊर्जा से प्रदेश और देश को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने पंजाब की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वहां नशे की समस्या गंभीर रूप से बढ़ी है, जिसका दुष्प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ा है। युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखना समय की मांग है और भारतीय जनता पार्टी उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने के लिए हरियाणा में साइक्लोथान और मैराथन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में युवा भाग ले रहे हैं। पंजाब की स्थिति पर जताई चिंता अवैध नशा कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है और उनकी संपत्तियां भी अटैच की जा रही हैं। विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में विशेष जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। पंजाब में बढ़ते अपराधों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां कानून व्यवस्था को सुदृढ़ कर शांति, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है और जनता अपेक्षित परिणाम नहीं देख पा रही है। देश की बात करें तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है और वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा सुदृढ़ हुई है। बिना खर्ची और बिना पर्ची के सरकारी नौकरियां बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सड़क, राष्ट्रीय राजमार्ग और कनेक्टिविटी के विस्तार से विकास को नई गति मिली है। केंद्र सरकार की मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और स्टैंड अप इंडिया जैसी पहलों से युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। हरियाणा सरकार ने भी पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से बिना खर्ची और बिना पर्ची के सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों के क्षेत्र में हरियाणा के खिलाड़ियों ने ओलिंपिक, पैरालिंपिक और एशियन गेम्स सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में देश का नाम रोशन किया है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की जा रही है। सरकार का लक्ष्य युवाओं को सशक्त बनाकर प्रदेश और देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाना है।

चार्ल्स एलिजाबेथ से बात, अमेरिका डॉलर में मुनाफा, लालच देकर रिटायर्ड कर्मचारी से लाखों रुपये की ठगी

पंचकूला। केंद्रीय सरकार के विभाग से रिटायर्ड कर्मचारी के साथ साइबर ठगों ने 13 लाख रुपये ठग लिए। शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, पुलिस उनकी डिटेल जुटा रही है। सेक्टर-20 निवासी श्याम लाल मित्तल ने बताया कि दिसंबर 2025 में उसकी मुलाकात फेसबुक के जरिए एक व्यक्ति से हुई, जिसने खुद को यूके सिटीजन बताया। उसने व्हाट्एप पर उसके साथ चैटिंग की। इसके बाद उसने अपनी कजिन सिस्टर चार्ल्स एलिजाबेथ से बात करवाई। चार्ल्स एलिजाबेथ ने बिजनेस मॉडल के बारे में बताया कि एक हजार यूएस डालर में आपको प्रोडक्ट देंगे, जो आप बाद में 3 हजार यूएस डालर में बेच सकेंगे। बताया गया कि कंपनी के लोग ही प्रोडक्ट को खरीद लेंगे। उनकी बातों में आकर रिटायर्ड कर्मचारी ने 5 बार में उनके बताए नंबर पर 13.10 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उसने प्रोडक्ट भेजने को कहा तो वे आनाकानी करने लगे। इसके बाद रिटायर्ड कर्मचारी को अहसास हुआ कि उसके साथ ठगी हुई है। साइबर क्राइम थाना पुलिस के जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर जसमीत ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, पुलिस उनकी डिटेल जुटा रही है। खातों के जरिए ठगों तक पहुंचा जाएगा।

पैसे मांगने और धमकी देने के आरोप में तीन युवक गिरफ्तार, 1 पुलिस रिमांड पर

बराड़ा : जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा नारायणगढ़ ने एक व्यक्ति को डरा-धमकाकर अवैध रूप से पैसों की मांग करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान दलीप कुमार, विक्की और हैप्पी के रूप में हुई है, जो बराड़ा के राजोली रोड के निवासी बताए जा रहे हैं। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, बराड़ा निवासी पवन कुमार ने 13 फरवरी 2026 को पुलिस में शिकायत दी थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उक्त व्यक्तियों ने उनसे अवैध धन की मांग की और मांग पूरी न होने पर गंभीर परिणाम भुगतने व जान से मारने की धमकी दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जांच सीआईए नारायणगढ़ को सौंपी गई थी। पुलिस जांच के मुताबिक, पकड़े गए संदिग्धों का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इनके विरुद्ध पहले भी मारपीट और जुआ अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को स्थानीय न्यायालय में पेश किया गया। प्रभारी उप-निरीक्षक जरनैल सिंह के अनुसार, न्यायालय ने विक्की और हैप्पी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है, जबकि मुख्य आरोपी दलीप कुमार को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले के अन्य पहलुओं और संभावित संपर्कों का पता लगाने का प्रयास करेगी।

आपराधिक केस छिपाना गंभीर, नियुक्ति से इनकार सही'; हाईकोर्ट ने की एलडीसी अभ्यर्थी की याचिका खारिज

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड (डीएचबीवीएन) में लोअर डिवीजन क्लर्क (एलडीसी) पद पर चयनित अभ्यर्थी को नियुक्ति से वंचित करने के फैसले को सही ठहराते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी। जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ की एकलपीठ ने स्पष्ट किया कि आवेदन पत्र में लंबित आपराधिक प्रकरण की जानकारी छिपाना साधारण चूक नहीं माना जा सकता, भले ही बाद में संबंधित व्यक्ति बरी हो गया हो। मामले में याची ने वर्ष 2019 में जारी विज्ञापन के तहत एलडीसी पद के लिए आवेदन किया था। आवेदन पत्र में उसने लंबित एफआईआर से संबंधित कालम में नहीं अंकित किया, जबकि उसके विरुद्ध पानीपत में वर्ष 2018 में मामला दर्ज था। चयन के बाद 18 मई 2021 को उसे नियुक्ति पत्र जारी हुआ। बाद में भरे गए चरित्र सत्यापन प्रपत्र में उसने लंबित केस का उल्लेख कर दिया, लेकिन निगम ने उसे ज्वाइन करने की अनुमति नहीं दी। याचिकाकर्ता इससे पहले भी हाई कोर्ट में याचिका दायर कर चुका था, जिसे 4 मार्च 2022 को खारिज कर दिया गया था। बाद में ट्रायल कोर्ट ने 20 मार्च 2024 को उसे बरी कर दिया। इसके आधार पर उसने पुन प्रतिनिधित्व देकर नियुक्ति की मांग की, परंतु 8 जनवरी 2026 के आदेश से निगम ने दावा अस्वीकार कर दिया। इसी आदेश को चुनौती देते हुए वर्तमान याचिका दाखिल की गई थी। अदालत ने कहा केवल बरी हो जाना नियुक्ति का स्वत अधिकार नहीं देता। न्यायालय ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में अभ्यर्थी द्वारा दी गई जानकारी पूर्ण और सत्य होनी चाहिए। गंभीर प्रकृति के मामलों में तथ्य छुपाने नियोक्ता को उम्मीदवार की उपयुक्तता पर पुनर्विचार का अधिकार देता है।कोर्ट ने माना कि संबंधित एफआईआर भर्ती प्रक्रिया में प्रतिरूपण जैसे आरोपों से जुड़ी थी, जिसे तुच्छ या तकनीकी त्रुटि नहीं कहा जा सकता। ऐसे में निगम द्वारा उम्मीदवार को अनुपयुक्त मानना मनमाना नहीं है।विस्तृत आदेश में अदालत ने स्पष्ट किया कि याचिका में कोई ऐसा नया या असाधारण तथ्य प्रस्तुत नहीं किया गया जिससे पहले के निष्कर्षों पर पुनर्विचार किया जा सके। परिणामस्वरूप याचिका को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया गया।

हरियाणा के मंत्री अनिल विज की तबीयत बिगड़ी, अंबाला के सिटी हॉस्पिटल पहुंचे; डॉक्टरों ने बताई बीमारी

अंबाला। प्रदेश के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज की वीरवार को तबीयत अचानक बिगड़ गई। उनको अंबाला कैंट नागरिक अस्पताल के हार्ट सेंटर लाया गया। यहां पर उनके टेस्ट व चेकअप हुए। चेक किया तो उनका ब्लड प्रेशर कम था, जबकि नब्ज भी डाउन मिली। इस कारण से उनको सेंटर में दाखिल किया गया। उनको दवाइयां दी गईं जबकि ब्लड प्रेशर व नब्ज पर नजर रखी गई। उपचार मिलने के बाद विज की स्थिति सामान्य हुई, जिसके बाद उनको डिस्चार्ज कर दिया गया। विज को फिलहाल डाक्टरों ने आराम की सलाह दी है। उधर, विज के आवास पर चरखी दादरी से विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विज के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। विज को चिकित्सकों ने आराम करने की सलाह दी है। दोनों पैरों में फ्रैक्चर इससे पहले सोमवार को विज अपने आवास पर गिर गए हैं, जिससे उनके दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। चोट लगने के बावजूद विज ह्यचल री सजनी अब क्या सोचे गुनगुनाते रहे। 20 फरवरी से हरियाणा विधानसभा का सत्र शुरू होना है। हर बार सदन में अपने तेवरों और बेबाक बयानों से सुर्खियों में रहने वाले विज इस बार शायद सदन में नजर न आएं।

एआई समिट में कांग्रेस के प्रदर्शन पर खेल मंत्री गौरव गौतम का तीखा हमला, कहा- कांग्रेस में जैसा गुरु, वैसे चेले

चंडीगढ़: हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने प्रदेश में आयोजित एआई समिट के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए प्रदर्शन को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का रवैया लगातार नकारात्मक और गैर-जिम्मेदाराना होता जा रहा है, खेल मंत्री ने कहा कि एआई समिट जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन देश और प्रदेश की प्रगति, तकनीकी उन्नति और निवेश संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर होते हैं। इस कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, निवेशकों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की उपस्थिति रही। ऐसे महत्वपूर्ण मंच पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कपड़े उतारकर या अमर्यादित तरीके से प्रदर्शन करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की हरकतों से न केवल कार्यक्रम की गरिमा प्रभावित होती है, बल्कि प्रदेश और देश की छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कार्यक्रम में मौजूद कई अतिथियों और प्रतिनिधियों ने इस व्यवहार पर आपत्ति जताई और इसे अस्वीकार्य बताया। खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन विरोध दर्ज कराने के लिए मर्यादित और संवैधानिक तरीके अपनाने चाहिए। सार्वजनिक मंचों पर इस प्रकार का आचरण हरियाणा की संस्कृति और सभ्यता के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकर्ताओं का व्यवहार उनके शीर्ष नेतृत्व की सोच को दर्शाता है। चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि जैसे हमारे देहात में कहा जाता है– जैसा गुरु, वैसे चेले। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व की भ्रामक और दिशाहीन राजनीति का असर उनके कार्यकर्ताओं पर साफ दिखाई दे रहा है। खेल मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश को तकनीक, खेल, शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। एआई समिट जैसे आयोजन युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलते हैं और राज्य में निवेश को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सकारात्मक वातावरण तैयार करना है, ताकि प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू सके। रेल मंत्री श्री गौरव गौतम ने सभी राजनीतिक दलों और संगठनों से अपील की कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करें और प्रदेश की प्रतिष्ठा को ध्यान में रखते हुए जिम्मेदार व्यवहार अपनाएं। उन्होंने कहा कि राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन प्रदेशहित सर्वोपरि होना चाहिए।

बिजली सेक्टर में हरियाणा ए क्लास, देशभर में हासिल किया 8वां स्थान

चंडीगढ़: बिजली सुधारों की दौड़ में हरियाणा ने राष्ट्रीय स्तर पर दमदार उपस्थिति दर्ज कराई है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की पहली नियामक प्रदर्शन रैंकिंग में 100 में से 88.5 अंक हासिल कर राज्य ने ए ग्रेड पाया है और देशभर में 8वां स्थान हासिल किया है। यह रिपोर्ट पावर फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने आरईसी लिमिटेड के सहयोग से जारी की है। बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता श्रेणी में हरियाणा को 32 में से पूरे 32 अंक मिले। राज्य ने संसाधन पर्याप्तता के स्पष्ट विनियम अधिसूचित किए हैं, बिजली खरीद के लिए रिजर्व मार्जिन तय किया है और दीर्घकालिक योजना के लिए समय-सीमा निर्धारित की है। ट्रांसमिशन यूटिलिटी और डिस्कॉम की तीन-वर्षीय कैपेक्स योजनाओं को मंजूरी के साथ अनुपालन न होने पर दंडात्मक प्रावधान भी सुनिश्चित किए गए हैं। नियामक गवर्नेंस में भी हरियाणा को पूरे 5 में से 5 अंक मिले। अधिकारियों की नियुक्ति के लिए स्पष्ट नियम, पदों का वर्गीकरण और प्रशासनिक पारदर्शिता ने आयोग की संस्थागत मजबूती को रेखांकित किया है। डिस्कॉम की वित्तीय स्थिति श्रेणी में राज्य को 25 में से 23.5 अंक प्राप्त हुए। टैरिफ आदेश समय पर जारी किए गए और टू-अप प्रक्रिया भी तय समय में पूरी की गई। खास बात यह रही कि कोई नई रेगुलेटरी एसेट सृजित नहीं की गई, जो वित्तीय अनुशासन का संकेत है। एफपीपीएएस (ईंधन एवं बिजली खरीद लागत समायोजन) की मासिक व्यवस्था से लागत का स्वतः समायोजन संभव हुआ है। नए बिजली कनेक्शन के लिए समय-सीमा तय (मेट्रो क्षेत्र में 3 दिन, नगर पालिका में 7 दिन और ग्रामीण क्षेत्र में 15 दिन) से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिला है। नेट मीटरिंग कनेक्शन 10 दिनों में जारी करने की व्यवस्था भी लागू है। एनर्जी ट्रांजिशन में 100 किलोवाट तक ग्रीन एनर्जी ओपन एक्सेस, ग्रीन हाइड्रोजन और वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजनाओं को छूट तथा 2029-30 तक नवीकरणीय खरीद दायित्व की रूपरेखा ने राज्य को 15 में से 12 अंक दिलाए। एचईआरसी के अध्यक्ष नंदलाल शर्मा ने कहा, यह उपलब्धि पारदर्शी विनियमन

यमुनानगर में शख्स ने किया सुसाइड, कोर्ट के नोटिस से था परेशान, मरने से पहले पत्नी को किया वीडियो कॉल

यमुनानगर : यमुनानगर में शनिवार को एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक दुखद घटना में सेशन कोर्ट के जज के रीडर ने फतेहपुर पुल से पश्चिमी यमुना नहर में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। इतना ही नहीं मृतक ने पहले अपनी पत्नी को वीडियो कॉल की। नहर का दृश्य दिखाया और कहा कि वह इसमें कूदने जा रहा है। पत्नी ने जब शोर मचाया तो परिजन और आसपास के लोग तुरंत हरकत में आए। बाद में उन्होंने पुलिस और गोताखोरों को इस हादसे की सूचना दी। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान सुरेश कुमार (55) निवासी गांधी धाम कॉलोनी, जगाधरी के रूप में हुई है। वह दो बच्चों का पिता था और दोनों बच्चे विदेश में रहते हैं। सुरेश सेशन कोर्ट में रीडर के पद पर कार्यरत था। पुलिस ने एंबुलेंस के माध्यम से शव को सिविल अस्पताल भिजवाया दिया गया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मचारी सुमन कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सुसाइड करने के पीछे के कारण और वास्तविक वजह जानने के लिए परिजनों से पूछताछ की जा रही है। परिजनों ने बताया कि सुरेश को कोर्ट की तरफ से कोई नोटिस लगा हुआ था, जिसकी वजह से वह परेशान चल रहा था, यही सुसाइड की वजह हो सकती है।

हिसार में नहर में मिला महिला का शव, नहीं हुई पहचान...शरीर पर मिले चोट के निशान

हिसार: जिले के अग्रोहा क्षेत्र के गांव कालीरावण के पास किशनगढ़ ब्रांच नहर में एक अज्ञात महिला का शव मिला है। मृतका की उम्र करीब 40 साल बताई गई है। अग्रोहा थाना पुलिस मामले में जांच कर रही है। जानकारी अनुसार खेत में गए एक किसान ने कालीरावण की किशनगढ़ नहर में एक शव तैरता हुआ देखा। उसने मामले की सूचना अग्रोहा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को नहर से बाहर निकाला। मृतक महिला के शरीर पर चोटों के कुछ निशान बताए जा रहे हैं। इस संबंध में अग्रोहा थाना पुलिस का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए अग्रोहा मैडीकल कॉलेज की मोर्चरी में रखवाया है।

रोहतक में किसान से मांगी फिरौती, बंदूक दिखाकर धमकाया, गांव के ही 5 लोगों पर केस दर्ज

रोहतक : हरियाणा के रोहतक में शुक्रवार को गांव किलोई में एक किसान से 5 लाख रुपए की रंगदारी मांगने व न देने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक किलोई गांव के किसान को गांव के ही 4 युवकों ने धमकी देकर फिरौती मांगी है। पीड़ित किसान सतीश पुत्र रामकिशन गांव किलोई ने बताया कि वह खेतीबाड़ी करता है और घर के बाहर बनी दुकान किराए पर दे रखी है। 3 दिन पहले गांव के ही हनी, अमित उर्फ बाबर, शक्तिमान उर्फ रोहित व विक्की उर्फ गोंडर ने घर आकर 5 लाख रुपए की रंगदारी मांगी। रुपए न देने पर जान से मारने की धमकी भी दी। उसने दुकान खाली करने के लिए किराएदार को कहा है। कल किराएदार ने जब दुकान खोली तो आरोपी आए और उस पर बंदूक तानकर कहा कि किसके कहने पर दुकान खोली है। इसके बाद दुकान को बंद करवा दिया। सदर थाना एस.एच.ओ. सुरेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर गांव के ही 4 युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। जल्द उनको को काबू कर लिया जाएगा।

अंबाला कपड़ा मार्केट में रेमंड्स की होलसेल एजेंसी में लगी भीषण आग, लाखों रुपए का कपड़ा जलकर राख

अंबाला: भीड़भाड़ वाली अति व्यस्त कपड़ा मार्केट में श्री चिंता हरण महादेव मंदिर के पास रेमंड्स ब्रांड की होलसेल विकास एजेंसी के दूसरे तल पर शुक्रवार शाम करीब पौने सात बजे अचानक आग लग गई। जिस समय आग लगी प्रथम तल पर दुकान में कर्मी ग्राहकों को अटेंड कर रहे थे। अचानक दुकान में काम करने वाले कर्मियों ने धुआं देखा। यह धुआं द्वितीय तल पर रखे मेजर स्टॉक से निकल रहा था। जब ऊपर जाकर देखा तो बहुत देर हो चुकी थी और स्टाक धू-धूकर जल रहा था। इससे हड़कंप और अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी थी कि द्वितीय तल पर लगे दरवाजे को खोलने की हिम्मत भी किसी की नहीं हो रही थी। दमकल विभाग को 6 बजकर 50 मिनट पर सूचना दी गई। करीब 10 मिनट में दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। साथ ही पांचवीं गाड़ी कैंट से बुलाई गई। इन्होंने करीब सवा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार दुकान मालिक विशाल जैन हैं जोकि लंबे समय से रेमंड्स ब्रांड कपड़े के डीलर एवं होलसेल विक्रेता हैं। होलसेल का ज्यादा काम होने के कारण रूटीन के ग्राहक कम ही रहते हैं। लेकिन स्टॉक भारी मात्रा में होने के कारण लगी आग पर काबू पाने में दमकल विभाग की टीमों को खूब पसीने बहाने पड़े। समाचार लिखे जाने तक नुकसान का आंकलन नहीं लगाया जा सका था। आग किन कारणों से लगी इसका भी पता नहीं चल पाया था। शुरूआत में शार्ट-सर्किट आग का कारण माना जा रहा है। सूचना मिलते ही कपड़ा मार्केट के प्रधान विशाल बतरा और शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेश भी टीम के साथ मौके पर डटे रहे। मोबाइल टावर भी हुआ बंद इस दुकान के पीछे मोबाइल टावर भी लगा था। हालांकि समाचार लिखे जाने तक इसको अधिक नुकसान की सूचना नहीं मिली थी लेकिन इस टावर की लाइटें बंद हो गई थी। इतना ही नहीं आग लगने के बाद आसपास के दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानें बंद कर दी और दुकान से बाहर निकल आए। रात सवा आठ बजे तक कपड़ा मार्केट में घटनास्थल पर भारी भीड़ लगती थी और आग पर लगभग काबू पाया जा चुका था। बार-बार भभक रही थी आग हालांकि रात करीब 7 बजकर 40 मिनट पर आग नियंत्रित हो गई थी लेकिन आग पूरी तरह से नहीं बुझ पा रही थी क्योंकि कपड़े में लगी होने के कारण आग बार-बार भभक रही थी। लिहाजा करीब आधा घंटा और आग को पूरी तरह से शांत करने में टीम को समय लगा। दमकल विभाग की टीम यदि समय रहते मौके पर न पहुंचती तो आसपास की दुकानों तक आग पहुंच सकती थी और दुकान के प्रथम तल और ग्राउंड लेवल पर भी नुकसान हो सकता था जोकि समय रहते टीम के पहुंचने से टल गया।

आग के चलते कपड़ा मार्केट की लाइट बंद कर दी गई थी। करीब दो घंटे कपड़ा मार्केट में बिजली बाधित रही। बताया जा रहा है कि दुकानदार ने इस स्टाक का एसबीआई से इंश्योरेंस भी करवाया हुआ था। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी थी।

महिला दिवस पर बजट लाने की तैयारी; महिलाओं को हजार रुपये योजना दे सकती है सरकार, सियासी हलचल तेज

हरियाणा सरकार 28 फरवरी को 11 वैज्ञानिकों को विज्ञान रत्न और युवा विज्ञान रत्न पुरस्कारों से सम्मानित करेगी। पांच वरिष्ठ वैज्ञानिकों को विज्ञान रत्न और छह युवा वैज्ञानिकों को युवा विज्ञान रत्न मिलेगा

चंडीगढ़। गुजरात दौरे के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आठ मार्च को बजट पेश करने की बात कही है। हालांकि देखने में यह सिर्फ एक औपचारिक घोषणा है लेकिन इस तारीख की घोषणा करना एक राजनीतिक तीर छोड़ना भी है। वह इसलिए कि आठ मार्च को रविवार है तो क्या इस बार पंजाब का बजट भी रविवार को पेश होगा? यह सवाल भी उठने लगा है। दरअसल, आठ मार्च को महिला दिवस और अपनी सरकार के कार्यकाल के अंतिम साल में पेश किए जाने वाले बजट में महिलाओं को एक-एक हजार रुपए देने की घोषणा की जा सकती है। हालांकि सरकार के सूत्रों ने इसकी पुष्टि नहीं की है कि आठ मार्च को बजट पेश होगा। उनका कहना है कि 23 फरवरी को होने वाली कैबिनेट की मीटिंग में ही यह फैसला होगा, लेकिन मुख्यमंत्री भगवंत मान जो आज गुजरात के दौरे पर थे और प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान उन्होंने आठ मार्च को बजट पेश करने की बात कही, उससे यह संकेत मिल रहे हैं कि आप सरकार ने इस दिन को जानबूझकर चुना है। सवालः कैसे योजना शुरू करेगी सरकार उधर, महिलाओं को एक-एक हजार रुपए दिए कैसे जाने हैं इसको लेकर अभी प्रोग्राम तय नहीं हुआ। मसलन महिलाओं को चयन किस आधार पर किया जाएगा। साथ ही यह कि क्या सभी महिलाओं को दी जाए या फिर इसे वैकल्पिक रखा जाए। यानी महिलाओं को क्या यह विकल्प दिया जाए कि वह इस योजना का हिस्सा होना चाहती हैं कि नहीं। स्कीम जरूरतमंद महिलाओं तक हो सकती है सीमित उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि जैसे कैप्टन अमरिंदर सिंह की सरकार ने सभी किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया था, लेकिन बाद में इसे दो लाख रुपये तक के कर्ज वाले सीमांत किसानों तक सीमित कर दिया था, उसी तरह का विचार अब भगवंत मान सरकार में भी चल रहा है। वित्तीय स्थिति को देखते हुए योजना को केवल जरूरतमंद महिलाओं तक सीमित रखने पर चर्चा हो रही है। सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है और अंतिम फैसला पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लेंगे। सरकार के एक अधिकारी के अनुसार यदि योजना को वैकल्पिक रखा गया तो करीब 6,000 करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं, जबकि सभी महिलाओं को शामिल करने पर यह राशि 10,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। यह भी विचार हो रहा है कि पैसा हर महीने दिया जाए या एकमुश्त। वित्त विभाग चाहता है कि भुगतान मासिक आधार पर कम राशि में किया जाए, ताकि सरकार को अतिरिक्त ब्याज का बोझ न उठाना पड़े।

मुक्तसर साहिब में अदालत से रिमांड पर लाया हवालाती हथकड़ी समेत फरार, थाने की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

श्री मुक्तसर साहिब। पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब में बाइक चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपित अदालत से एक दिन का रिमांड मिलने के बाद थाना लक्खेवाली से हथकड़ी समेत फरार हो गया। इस घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है और थाने की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार 18 फरवरी को पुलिस ने संदीप सिंह उर्फ निक्का निवासी गांव टिब्बा सम्मेवाली रोड लक्खेवाली को चोरी की एक बाइक सहित गिरफ्तार किया था। पुलिस को संदेह था कि आरोपित अन्य चोरी की वारदातों में भी शामिल हो सकता है और उसके गिरोह के अन्य साथी भी हो सकते हैं। प्राइवेट कार से गए थे कचहरी बीते दिन एएसआई कुलवंत सिंह और हवलदार स्वर्णजीत सिंह आरोपित को अदालत में पेश करने ले गए। अदालत से एक दिन का पुलिस रिमांड मिलने के बाद शाम करीब 6.20 बजे पुलिस टीम उसे लेकर थाना लक्खेवाली पहुंची। जैसे ही आरोपित को प्राइवेट कार से उतारा गया, उसने अचानक हवलदार स्वर्णजीत सिंह को धक्का देकर गिरा दिया और हथकड़ी लगे हाथ छुड़ाकर थाने की बैक साइड की ओर भाग निकला। बताया जा रहा है कि थाने की चारदीवारी पूरी तरह से सुरक्षित नहीं है, जिसका फायदा उठाकर आरोपित सरसों के खेतों की ओर फरार हो गया। पुलिस कर्मियों ने काफी दूर तक उसका पीछा किया, लेकिन वह पकड़ में नहीं आया। पुलिस इंतजामों पर उठ रहे सवाल इस घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली और सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हिरासत में मौजूद आरोपित का इस तरह फरार होना बड़ी चूक माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने आरोपित के खिलाफ थाना लक्खेवाली में अलग से मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आसपास के क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डोंकी रूट से अमेरिका गए जीरा के युवक की ट्रक हादसे में मौत; 50 लाख कर्ज लेकर भेजा था

श्री मुक्तसर साहिब। पंजाब के मुक्तसर साहिब के कस्बा जीरा के गांव शाह अब्बू बुक्कर के 33 वर्षीय युवक गुरविन्द्रपाल सिंह की अमेरिका में सड़क हादसे में मौत हो गई। गुरविन्द्रपाल वर्ष 2023 में डोंकी रूट के माध्यम से करीब 50 लाख रुपये का कर्ज लेकर अमेरिका गया था। 19 फरवरी को ट्रक चलाते समय उसका ट्रक अचानक पलट गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जैसे ही यह दुखद खबर गांव पहुंची, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक ग्रेजुएशन पास था और भारत में रोजगार न मिलने के कारण विदेश जाने का फैसला किया था। उसके पिता मोहिन्द्र सिंह ने कर्ज लेकर बेटे को अमेरिका भेजा था, ताकि परिवार की आर्थिक स्थिति सुधर सके। परिवार के पास चार एकड़ जमीन है और बड़ा भाई गुरप्रीत सिंह पिता के साथ खेती करता है। चचेरे भाई राजविन्द्र सिंह ने बताया कि डोंकी रूट से जाने के कारण गुरविन्द्रपाल को अमेरिका में स्थापित होने में करीब दो वर्ष लग गए। सात महीने पहले ही उसे ट्रक चलाने का लाइसेंस मिला था और उसने काम शुरू किया था। अवैध डोंकी रूट को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। भारी रकम खर्च करने और जोखिम भरे रास्तों से विदेश पहुंचने वाले युवाओं की जान पर बन आती है। गुरविन्द्रपाल की मौत ने ऐसे नेटवर्क और एजेंटों की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। परिवार पर अभी भी भारी कर्ज बाकी है। अमेरिका से शव को भारत लाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। गांव की महिला सरपंच के पति चरणजीत सिंह ने कहा कि परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है और शव लाने के लिए भी पैसों की कमी है। परिवार ने सरकार और सामाजिक संस्थाओं से अपील की है कि उनके बेटे का शव जल्द भारत लाने में मदद की जाए। बेटे की मौत के बाद माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

पंजाब में चुनाव से पहले स्कूल अपग्रेड की सिफारिशों की बाढ़, नियमों में छूट को लेकर सरकार असमंजस में

चंडीगढ़। चुनाव सिर पर हैं तो सभी विधायकों को अपने अपने क्षेत्रों के गांवों के लोगों की समस्याओं को दूर करना पड़ रहा है जिसके लिए वे विभागीय अधिकारियों पर भी दबाव बना रहे हैं। इसी श्रृंखला में गांव गांव से उनके प्राइमरी, मिडल स्कूलों को अपग्रेड के करके हाई या सीनियर सेकेंडरी बनाने की सिफारिशों का तांता लगा हुआ है। बताते हैं कि अब तक सौ से ज्यादा आवेदन डीपीआई दफ्तर और सचिव के कार्यालय में आ चुके हैं लेकिन इन्हें कैसे अपग्रेड किया जाए, यह अधिकारियों को समझ में नहीं आ रहा है। विधायकों (सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी) पर उनके सरपंचों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का दबाव है कि उनके बच्चों को स्थानीय स्कूल में पढ़ाई पूरी करने के बाद हायर सेकेंडरी के लिए पास के गांवों में जाना पड़ रहा है। इसलिए उनके गांव के स्कूल को प्राइमरी से मिडल, मिडल से सीनियर सेकेंडरी कर दिया जाए। स्कूलों को अपग्रेड करने के नियम हैं और ज्यादातर विधायकों के आवेदन इन नियमों पर खरे नहीं उतरते इसलिए इन नियमों में छूट देने का प्राविधान केवल मुख्यमंत्री के पास है इसलिए सभी विधायक चाहते हैं कि मुख्यमंत्री उनके हलकों के स्कूलों को अपग्रेड करने की सिफारिश करें। नियमों के मुताबिक पांच किलोमीटर के दायरे में कोई भी दूसरा हाई स्कूल या सीनियर सेकेंडरी स्कूल नहीं होना चाहिए। अपग्रेड किए जाने वाले स्कूल में पर्याप्त छात्र संख्या होनी चाहिए कि जैसे 8वीं कक्षा में कम से कम 50 छात्र हों। स्कूल के पास पर्याप्त जगह, कक्षाएं, प्रयोगशालाएं , पुस्तकालय और शौचालय होना चाहिए या फिर इसके लिए अतिरिक्त जगह हो। अपग्रेड होने वाले स्कूल में आरटीई के अनुसार शिक्षकों का अनुपात 40 बच्चों पर 1 शिक्षक होना चाहिए। अब अधिकांश स्कूल इन नियमों का पालन नहीं करते बल्कि पंजाब में तो इन नियमों के तहत जो भी स्कूल आते हैं वे पहले से ही अपग्रेड हो चुके हैं।
सरकार की दूसरी सबसे बड़ी दिक्कत है कि इतने स्कूलों में पर्याप्त आधारभूत ढांचा देने की। शिक्षा विभाग के एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि अगर एक स्कूल को अपग्रेड करना है तो कम से कम आठ से दस नए अध्यापकों को भर्ती करने की जरूरत होगी क्योंकि पंजाब में पहले से ही अध्यापकों की कमी है। इसी तरह आधारभूत ढांचे को बढ़ाने के लिए भी अतिरिक्त बजट की आवश्यकता होगी। इन दोनों सेक्टरों पर खर्च करने की क्षमता अभी सरकार में नहीं है। इसलिए स्कूलों को अपग्रेड करने की मांग को टाला जा रहा है।

हिमाचल बॉर्डर पर एंट्री टोल टैक्स में बढ़ोतरी; टोल टैक्स वृद्धि के विरोध में पंजाब के नंगल में प्रदर्शन

रूपनगर। पंजाब के रूपनगर में नंगल के निकट हिमाचल प्रदेश की सीमा पर एंट्री टोल टैक्स में की गई बढ़ोतरी को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। हिमाचल सरकार के इस फैसले के विरोध में सोमवार को बड़े स्तर पर रोष प्रदर्शन शुरू हो गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने भाग लिया। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, प्रदर्शन का दायरा बढ़ता गया और मौके पर लोगों की संख्या लगातार बढ़ती रही। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि एंट्री टोल टैक्स में अचानक की गई बढ़ोतरी आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाली है। उनका कहना है कि इस फैसले से रोजाना सीमा पार कर काम पर जाने वाले कर्मचारी, छोटे व्यापारी, ट्रांसपोर्टर और स्थानीय निवासी सीधे प्रभावित होंगे। कई लोगों ने इसे जनविरोधी निर्णय बताते हुए कहा कि पहले से महंगाई की मार झेल रही जनता पर यह नई मार असहनीय है। हिमाचल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मांग की कि बढ़ी हुई दरों को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस फैसले पर पुनर्विचार नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा और बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। टैक्स में बढ़ौतरी से महंगाई बढ़ेगी स्थानीय व्यापारिक संगठनों और सामाजिक समूहों ने भी इस मुद्दे पर खुलकर समर्थन दिया है। उनका कहना है कि टोल टैक्स बढ़ने से सामान की ढुलाई महंगी होगी, जिसका असर बाजार में वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ेगा। इस पूरे घटनाक्रम ने हिमाचल सरकार के निर्णय को लेकर नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। विपक्षी दलों ने भी सरकार पर बिना जनसुनवाई के फैसला लेने का आरोप लगाया है।

1500 किलोमीटर की कठिन राइड पूरी की; नवीन बने पांच दिवसीय एसआर के पहले भारतीय

श्री मुक्तसर साहिब। श्री मुक्तसर साहिब के मलोट के सरकारी हाई स्कूल गांव बादियां में पंजाबी अध्यापक के रूप में सेवाएं दे रहे नवीन दिऊड़ा ने साइक्लिंग में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर शहर और शिक्षा विभाग का नाम रोशन किया है। उन्होंने ऑडैक्स इंडिया रेंडोनियर्स के अंतर्गत आयोजित एसआर सीरीज में पांच दिनों में 1500 किलोमीटर की कठिन साइकिल राइड पूरी कर खिताब अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता हिसार रेंडोनेयर्स क्लब द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों जैसे हैदराबाद और हरियाणा सहित अन्य प्रदेशों के अनुभवी साइक्लिस्टों ने भाग लिया। प्रतियोगिता 13 से 17 फरवरी तक चली। निर्धारित समय सीमा में चार चरणों–600 किलोमीटर, 300 किलोमीटर, 400 किलोमीटर और 200 किलोमीटर–की राइड पूरी करनी थी। कुल मिलाकर यह दूरी 1500 किलोमीटर बनती है। बताया जा रहा है कि इस सीरीज को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले नवीन दिऊड़ा अकेले प्रतिभागी रहे। इसी के साथ वे वर्ष 2026 की पहली पांच दिवसीय एसआर सीरीज पूरी करने वाले पहले भारतीय नागरिक बन गए हैं। हालांकि कुछ प्रतिभागियों ने रूट की कठिनाई और समय निर्धारण को लेकर आपत्ति भी जताई, जिस पर आयोजकों ने सभी नियमों के पारदर्शी पालन की बात कही है। नवीन दिऊड़ा ने अपनी इस उपलब्धि को अपने पिता बोध राज दिऊड़ा को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि साइक्लिंग शरीर और मन दोनों के लिए लाभकारी व्यायाम है और युवाओं को खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी नवीन 1000 किलोमीटर, 1200 किलोमीटर और छह दिवसीय एसआर सीरीज सफलतापूर्वक पूरी कर चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि पर विभिन्न अध्यापकों, समाजसेवी संगठनों और शहरवासियों ने उन्हें बधाई दी है। मलोट में उनकी इस सफलता को लेकर गर्व का माहौल है।

सवा करोड़ में बिका विंटेज ट्रैक्टर: जालंधर में निकला 105 साल पुराना खजाना, जानें लांज बुलडॉग एचएल-12 की खासियत

जालंधर : जालंधर में एक पुरानी खंडहरनुमा इमारत से निकला 105 साल पुराना ऐतिहासिक खजाना अब दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गया है। स्थानीय स्तर पर कबाड़ समझा जा रहा लांज बुलडॉग एचएल-12 मॉडल का विंटेज ट्रैक्टर हाल ही में 1.25 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर बिका है। वर्ष 1921 में जर्मनी में निर्मित यह दुर्लभ ट्रैक्टर अब अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित एक प्रसिद्ध म्यूजियम में प्रदर्शित किया जाएगा। यह ऐतिहासिक ट्रैक्टर जालंधर के भगत सिंह चौक के पास एक जर्जर इमारत में वर्षों से खड़ा था। विंटेज वाहनों के जानकार पुनीत वडेरा के अनुसार, स्थानीय लोगों को अंदाजा भी नहीं था कि यह मशीन अंतरराष्ट्रीय बाजार में इतनी अनमोल साबित होगी। पहले मुंबई की एक कंपनी ने इसकी बोली दो लाख रुपये से शुरू की, जो धीरे-धीरे 28 लाख तक पहुंची, लेकिन अंततः एक विदेशी कंपनी ने इसकी ऐतिहासिक महत्ता को देखते हुए 1.25 करोड़ रुपये में इसे खरीद लिया। लांज बुलडॉग एचएल-12 में सिंगल सिलेंडर हॉट-बल्ब इंजन लगा है। स्टार्ट करने से पहले इंजन को काफी गर्म करना पड़ता था। कम गति पर भी जबरदस्त टॉर्क और ताकत पैदा करने की क्षमता है। अपने दौर में यह ट्रैक्टर केवल खेती तक सीमित नहीं था, बल्कि पानी के पंप, अनाज पीसने की चक्की और अन्य कार्यों में भी इस्तेमाल होता था। आज यह मशीन विंटेज तकनीक और औद्योगिक विरासत का एक दुर्लभ और कीमती उदाहरण बन चुकी है।

अमृतसर में आतंकी साजिश नाकाम: रइया पुलिस चौकी में देर रात लगाया गया आईईडी, पुलिस ने किया बरामद

अमृतसर : अमृतसर के ब्यास थाना के अधीन पड़ती पुलिस चौकी रइया को आर्तकियों ने शुक्रवार की देर रात आईईडी लगाकर उड़ने का प्रयास किया। लेकिन किसी तरह आईईडी के बारे में जानकारी लग जाने पर पुलिस ने उसे बरामद कर लिया। शनिवार सुबह बम डिस्पोजल टीम को बुलाकर आईईडी डिस्पोज कर दिया गया। बड़ी घटना रोकने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। किसी आतंकी संगठन या गैंगस्टर की तरफ से इसे लेकर किसी तरह की जिम्मेदारी नहीं ली गई है। अधिकारी पता लगाने में जुटे हैं कि आईईडी किस आतंकी संगठन या गैंगस्टर ने चौकी के पीछे फिट की थी और फरार हो गए। पुलिस द्वारा इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। शनिवार सुबह तक मामले को लेकर आरोपियों का पता नहीं लग सका है।

बटाला पुलिस ने बीकेआई लिंक किया उजागर; मन्नू अगवान गैंग के गुर्गे और हत्यारोपित गिरफ्तार

गुरदासपुर। समाज विरोधी तत्वों और कथित आतंकी लिंक पर चल रही सख्त कार्रवाई के बीच बटाला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करने का दावा किया है। एसएसपी बटाला डॉ. मेहताब सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार 2 के तहत थाना श्रीहरगोबिंदपुर और थाना घुमाण की पुलिस ने अलग-अलग मामलों में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी श्रीहरगोबिंदपुर हरीश बहल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि रुपिंदर सिंह उर्फ रोमी निवासी माड़ी टांडा के घर के बाहर 20 जुलाई 2025 को गोलियां चलाने के मामले में संदीप सिंह निवासी मधरा और सहजदीप सिंह उर्फ सहज निवासी भट्टीवाल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार यह वारदात कुख्यात मन्नू अगवान और मनजिंदर सिंह उर्फ बिल्ला दकोहा के कहने पर की गई थी। रोमी से 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई थी। गिरफ्तारी आरोपितों के संबंध बीकेआई से पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों के संबंध बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े तत्वों से भी हैं, जिसे लेकर मामला और संवेदनशील हो गया है। हालांकि पुलिस ने कहा कि जांच जारी है और अन्य कड़ियों की भी पड़ताल की जा रही है। इसी क्रम में थाना घुमाण की पुलिस ने नवजोत सिंह और प्रदीप सिंह निवासी मधरा, जो सगे भाई हैं, को गिरफ्तार कर उनके पास से दो पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। 2024 का अपहरण व हत्या मामला सुलक्षा एक अन्य महत्वपूर्ण कार्रवाई में वर्ष 2024 के अपहरण और हत्या मामले को सुलझाते हुए पुलिस ने यादविंदर सिंह उर्फ यादी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने जमीन विवाद के चलते अपने भाई रणजीत सिंह की हत्या कर शव दरिया में फेंक दिया था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में संगठित अपराध और फिरौती गिरोहों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सियासत: ज्ञानी रघबीर सिंह बुला सकते हैं सरबत खालसा, 2027 चुनाव से पहले पंथक वोट बैंक के पुनर्गठन की संभावनाएं

चंडीगढ़ : शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी), अकाल तख्त और शिरोमणि अकाली दल को मौजूदा संकट से उबारने के लिए सरबत खालसा बुलाने की मांग ने पंजाब की पंथक और सियासी हलकों में नई हलचल पैदा कर दी है। श्री हरिमंदिर साहिब के मुख्य ग्रंथी और अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने स्पष्ट कहा है कि पंथक संस्थाओं को एक परिवार के प्रभाव से मुक्त करवाने और सिख कौम को एकजुट करने के लिए सरबत खालसा समय की जरूरत है। उन्होंने संकेत दिए हैं कि इस दिशा में जल्द ठोस कदम उठाया जा सकता है। ज्ञानी रघबीर सिंह के इस बयान ने विशेष रूप से शिरोमणि अकाली दल (बादल) पर दबाव बढ़ा दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि सरबत खालसा बुलाया जाता है तो इसका सबसे सीधा प्रभाव अकाली दल पर पड़ेगा, जो पहले ही अंदरूनी मतभेद और नेतृत्व को लेकर उठते सवालों से जूझ रहा है। क्या है सरबत खालसा का महत्व सरबत खालसा सिख परंपरा में सर्वोच्च सामूहिक निर्णय की संस्था मानी जाती है, जिसमें पंथ से जुड़े अहम धार्मिक और सामुदायिक मुद्दों पर सर्वसम्मति से निर्णय लिए जाते हैं। इतिहास गवाह है कि जब-जब पंथक संकट गहराया, तब-तब सरबत खालसा के मंच से बड़े फैसले सामने आए। पिछले वर्षों में भी जब-जब सरबत खालसा बुलाया गया, उसका सीधा असर पंजाब की राजनीति, विशेषकर अकाली दल की स्थिति पर पड़ा। सबसे पहले वर्ष 1986 में अकाल तख्त साहिब पर सरबत खालाया बुलाया गया था। इस के बाद वर्ष 2015 में गांव चब्बा में सरबत खालसा बुलाया गया था। किस दल पर पड़ेगा असर विशेषज्ञों के अनुसार सरबत खालसा की घोषणा अकाली दल (बादल) के पारंपरिक पंथक वोट बैंक को प्रभावित कर सकती है। इससे नेतृत्व परिवर्तन का दबाव बढ़ सकता है या नए पंथक मोर्चे के उदय की संभावना बन सकती है। 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह घटनाक्रम बादल गुट के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। अन्य दलों की बात करें तो आम आदमी पार्टी और कांग्रेस इसे धार्मिक मामला बताकर दूरी बना सकती हैं, लेकिन पंथक वोटों में संभावित बिखराव का राजनीतिक लाभ उन्हें मिल सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सरबत खालसा के निर्णयों की वैधता और व्यापक स्वीकार्यता पर ही उसके प्रभाव की गहराई निर्भर करेगी। फिलहाल, इसकी संभावित घोषणा ने पंजाब की राजनीति में नई बहस को जन्म दे दिया है। पंथक राजनीति का भविष्य पंजाब की राजनीति में पंथक मुद्दे हमेशा अहम रहे हैं। यदि सरबत खालसा बुलाया जाता है और कोई बड़ा धार्मिक या संगठनात्मक फैसला सामने आता है, तो पंथक राजनीति का पुनर्गठन संभव है। इससे अकाली दल में नेतृत्व परिवर्तन का दबाव बढ़ सकता है, नए पंथक मोर्चे उभर सकते हैं या वोट बैंक का स्थायी विभाजन हो सकता है। प्रभाव की गहराई उसकी वैधता और स्वीकार्यता पर निर्भर करेगी।

संक्षिप्त समाचार

एपस्टीन मामले में नॉर्वे के पूर्व पीएम के घर पर छापा

नॉर्वे, एजेंसी। कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ संबंधों की जांच के सिलसिले में नॉर्वे की पुलिस ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री थोरबजोर्न जगलैंड के घरों की तलाशी ली। नॉर्वे में आर्थिक अपराधों के मामले में जांच करने वाली राष्ट्रीय एजेंसी ओकोक्रिम ने जगलैंड के ओस्लो स्थित आवास और अन्य संपत्तियों पर यह छापे मारे। एक दिन पहले ही काउंसिल ऑफ यूरोप ने उनकी राजनयिक छूट हटाई थी। जगलैंड पर गंभीर भ्रष्टाचार के भी आरोप हैं। जगलैंड नॉर्वे के विदेश मंत्री और नोबेल शांति पुरस्कार समिति के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनके वकील एंडर्स ब्रोसवीत ने कहा कि यह जांच का एक सामान्य हिस्सा है। जगलैंड ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि वे चाहते हैं कि इस मामले में स्थिति स्पष्ट हो।

पाकिस्तान का चीन से पृथ्वी अवलोकन उपग्रह लॉन्च

बीजिंग, एजेंसी। पाकिस्तान ने चीन के यांगजियांग सीशोर प्रक्षेपण केंद्र से अपने दूसरे स्वदेशी पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओ-2 का बृहस्पतिवार को प्रक्षेपण किया। यह उपग्रह देश की पृथ्वी अवलोकन व उच्च-रिजॉल्यूशन इमेजिंग क्षमताएं बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। यह उपग्रह राष्ट्रीय विकास योजना, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी और शहरी विस्तार में सहयोग देने के लिए डाटा प्रदान करेगा, जो रणनीतिक निर्णय लेने की क्षमता मजबूत करेगा।

लोगों का सोशल मीडिया का क्लीनिकल आदी होना संभव नहीं : इंस्टाग्राम प्रमुख

वाशिंगटन, एजेंसी। मेटा व गूगल के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम-गूगल पर चल रहे एक ऐतिहासिक मुकदमे में इंस्टाग्राम प्रमुख एडम मोसेरी ने सोशल मीडिया से जुड़े एक मामले में गवाही दी। वह बोले, इस विचार से सहमत नहीं हुआ जा सकता कि लोग सोशल मीडिया मंचों के क्लीनिकल आदी हो सकते हैं। यह केस उन आरोपों पर आधारित है जिनमें वादियों ने सोशल मीडिया मंचों का उपयोग करने वाले बच्चों को हुई क्षति के लिए कंपनियों को जिम्मेदार ठहराने की मांग की है। मोसेरी ने कहा, क्लीनिकल आदी होने और समस्या पैदा करने वाले उपयोग के बीच अंतर करना जरूरी है। वह बोले, क्लीनिकल एडिक्शन ऐसी लत है जिसे मेडिकली एक मानसिक विकार कहा जाता है। मोसेरी ने कहा, मैं चिकित्सा विशेषज्ञ होने का दावा नहीं कर रहा, लेकिन उनके बहुत करीबी को गंभीर क्लीनिकल लत का अनुभव हुआ है, इसलिए अपने शब्दों को लेकर सावधानी रखता हूं। उन्होंने कहा, मैं और मेरे सहयोगी समस्या पैदा करने वाले शब्द का उपयोग उस स्थिति के लिए करते हैं, जब कोई इंस्टाग्राम पर उतना अधिक समय बिताता है, जितना वह खुद उचित नहीं मानता। वह बोले, हम अधिकतम सुरक्षा का प्रयास करते हैं, लेकिन न्यूनतम सेंसरशिप भी रखना चाहते हैं।

ट्रंप मानहानि मामले में कोर्ट ने खारिज की बीबीसी की याचिका

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मानहानि मामले में अमेरिकी की एक अदालत ने बीबीसी की याचिका खारिज कर दी है। बीबीसी ने 10 अरब डॉलर के मुकदमे में जांच प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की थी। यह मुकदमा बीबीसी की ओर से एक भाषण के संपादन को लेकर दायर किया गया है, जिसमें ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रंप ने समर्थकों को अमेरिकी कैपिटल भवन पर धावा बोलने का निर्देश दिया था। ट्रंप ने ब्रिटेन के सार्वजनिक स्वामित्व वाले प्रसारक पर 6 जनवरी, 2021 के भाषण के कुछ हिस्सों को जोड़कर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया है। फ्लोरिडा के दक्षिणी जिले के लिए संयुक्त राज्य जिला अदालत के जज रॉय ऑल्टमैन ने बुधवार को कहा, बीबीसी का आवेदन समय से पूर्व प्राप्त हुआ है। इसमें उसने यह बताने की कोशिश भी नहीं की कि स्थगन न मिलने पर उसे क्या नुकसान होगा।

पाकिस्तानी सेना के पूर्व चीफ बाजवा आईसीयू में भर्ती ; फिसलकर गिरे, सिर में लगी गंभीर चोट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो घर में फिसलकर गिर गए थे और उन्हें काफी चोट आई थी। पाकिस्तान के प्रमुख मीडिया हाउस डॉन ने बताया कि बाजवा अपने घर में फिसल गए थे और काफी चोट आई थी। उन्हें इलाज के लिए कंबाइंड मिलिट्री हॉस्पिटल (सीएमएच) ले जाया गया और बताया जा रहा है कि फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। पाकिस्तानी सेना के पूर्व अध्यक्ष को अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट में भर्ती कराया गया। हालांकि उनकी चोटें कितनी गहरी हैं इसको लेकर कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है।

बांग्लादेश की राजनीति का नया चेहरा तारिक रहमान: मां पूर्व पीएम तो पिता पूर्व राष्ट्रपति

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के 2026 के आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ऐतिहासिक जीत में तारिक रहमान की रणनीतिक और करिश्माई भूमिका ने केंद्रबिंदु की तरह काम किया। लंबे निर्वासन और राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने पार्टी को एकजुट किया, युवा मतदाताओं को आकर्षित किया और जनसमर्थन की नई लहर खड़ी की। यह जीत सिर्फ बीएनपी की नहीं, बल्कि तारिक रहमान की नेतृत्व क्षमता और राजनीतिक दृष्टि का प्रतीक बनकर उभरी है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि बांग्लादेश की राजनीति दशकों से दो मुख्य पारिवारिक-राजनीतिक धारणाओं के बीच घूमती रही है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत खालिदा जिया की विरासत के बीच। ऐसे में 2026 के चुनावों में बीएनपी की जीत और तारिक रहमान की उभरती भूमिका यह संकेत देती है कि अब देश का नेतृत्व एक नए राजनीतिक दौर में प्रवेश कर सकता है।

पहले तारिक रहमान के बारे में जानिए : 20 नवंबर 1965 को जन्मे तारिक रहमान बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के चेयरमैन हैं। वह पार्टी की सर्वोच्च राजनीतिक इकाई का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने ढाका यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त की और राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना शुरू किया। वे बांग्लादेश के इतिहास में एक राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके पिता जिया उर रहमान बांग्लादेश के

राष्ट्रपति और स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे, जिनकी 1981 में हत्या हो गई थी। उनकी मां बेगम खालिदा जिया 1991 से 1996 व 2001 से 2006 तक बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री रहीं और बीएनपी की प्रमुख चेयरपर्सन थीं। अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दिनों से ही तारिक अपने परिवार की राजनीति में शामिल रहे हैं और बीएनपी के भीतर स्थायी भूमिका निभाई है।

अब तारिक रहमान की मां खालिदा जिया के बारे में जानिए : तारिक रहमान की मां और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने 3 जनवरी 1982 को पहली बार बीएनपी के सदस्य के तौर पर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। बाद में वे बीएनसपी की अध्यक्ष बनीं और अपनी मौत तक वह इस पद पर रहीं। बांग्लादेश में सैन्य शासन के खिलाफ खालिदा जिया एक प्रमुख आवाज बनकर उभरीं। लोगों को सैन्य शासन के खिलाफ एकजुट करने में खालिदा जिया ने अहम भूमिका निभाई।

जिया 1991 में पहली बार बनीं पीएम : खालिदा जिया साल 1991 में पहली बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं। इसके साथ ही बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का गौरव भी हासिल किया। इसके बाद साल 2001 से 2006 तक दूसरी बार भी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं। बताते चले कि खालिदा जिया का जन्म 15 अगस्त 1946 को अविभाजित भारत के दिनाजपुर जिले में हुआ। उनकी माता का नाम तैयबा और पिता का नाम इसकंदर मजूमदार था। खालिदा का परिवार जलपाईगुड़ी में चाय का व्यापार करता था और वहां से पलायन करके दिनाजपुर पहुंचा था। साल 1960 में खालिदा जिया की शादी आर्मी कैप्टन जिया उर रहमान के साथ हुई, जो बाद में बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने। साल 1983 में जब खालिदा बीएनपी चीफ बनीं तो उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने खालिदा की काबिलियत पर शक जताते हुए पार्टी छोड़ दी।

तारिक रहमान के पिता और पूर्व बांग्लादेशी राष्ट्रपति : अब तारिक रहमान के पिता के बारे में जानते हैं। तारिक रहमान के पिता जिया उर रहमान ने बांग्लादेश के स्वतंत्रता सेनानी और देश के सैनिक-राजनीतिक नेता थे। वे 1975 में सैनिक हस्तक्षेप के बाद सत्ता में आए और 1977 से 1981 तक बांग्लादेश के राष्ट्रपति रहे। उन्होंने बीएनपी की स्थापना की और लोकतांत्रिक बहुदलीय राजनीति को मजबूती दी। 1981 में उनकी हत्या हुई, लेकिन उनकी राजनीतिक विरासत आज भी बीएनपी और देश की राजनीति में जीवित है।

तारिक रहमान की पत्नी जुबैदा कौन हैं : जुबैदा रहमान तारिक रहमान की पत्नी हैं और पेशे से चिकित्सक। वे अपने पति के राजनीतिक जीवन में समर्थक और साथ देने वाली भूमिका निभाती रही हैं। चुनावी अभियानों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में अक्सर उनके साथ नजर आती हैं। निजी जीवन में परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों में सक्रिय रहते हुए वे बीएनपी के भीतर तारिक की छवि को मजबूत करती हैं। अब बात अगर तारिक रहमान की बेटी के बारे में करें तो जाइमा रहमान तारिक रहमान की बेटी हैं। वे राजनीतिक जीवन में अपने पिता के साथ दिखाई देती हैं, विशेषकर चुनावी अभियानों और सामाजिक कार्यक्रमों में। हालांकि वे सार्वजनिक राजनीति में अभी पूरी तरह सक्रिय नहीं हैं, लेकिन युवा समर्थकों और परिवारिक दृष्टि से उनकी उपस्थिति ने बीएनपी के प्रचार और छवि को और व्यापक बनाया है। अच्छा इन सभी चिजों के बीच एक दिलचस्प बात ये है कि तारिक रहमान के साथ उनकी पारिवारिक पालतू बिल्ली जेबू भी खूब सुर्खियों में रही है। वह लंदन से ढाका लौटने के दौरान उनके साथ आई। भारतीय पर्यवेक्षकों का मानना है कि इस तथ्य के बावजूद कि बेगम खालिदा जिया के दो कार्यकाल के दौरान बीएनपी ने बंगलादेश ने कट्टरपंथी इस्लामवादी समूहों और पाकिस्तान समर्थक रुख अपनाया था।

यह जानबूझकर की गई क्रूरता है : पिता इमरान खान की आंखों की रोशनी खोने की खबर पर बेटे कासिम का फूटा गुस्सा

इस्लामाबाद/लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खान के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि इमरान खान की दाईं आंख की रोशनी केवल 15 प्रतिशत बची है। इस खबर के सामने आते ही उनके बेटे कासिम खान ने पाकिस्तान की सरकार और सैन्य नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वकीलों का दावा : जेल प्रशासन की लापरवाही इमरान खान के वकीलों के अनुसार, खान को पिछले तीन-चार महीनों से धुंधला दिखाई देने की शिकायत थी।

अपर्याप्त इलाज : जेल अधीक्षक को इस समस्या के बारे में बार-बार बताया गया, लेकिन कथित तौर पर उन्हें केवल 'आई ड्रॉप्स' देकर टाल दिया गया।

गंभीर स्थिति : समय पर विशेषज्ञ डॉक्टर को न दिखाने के कारण उनकी आंख की स्थिति इतनी बिगड़ गई कि अब रोशनी नाममात्र रह गई है।

बेटे कासिम खान का 'एक्स' पर हमला : लंदन में रह रहे इमरान खान के बेटे कासिम खान (ब्रिटिश नागरिक) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ' पर अपना दर्द

और आक्रोश साझा किया। उन्होंने इसे 'जानबूझकर की गई लापरवाही' करार दिया। 'इस गंभीर स्थिति की सीधी जिम्मेदारी वर्तमान सरकार, सेना प्रमुख और इस क्रूरता को मुमकिन बनाने वाले लोगों पर है। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि जेल में उचित इलाज न देने का जानबूझकर लिया गया फैसला है।' – कासिम खान कासिम ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें और उनके भाई को अपने पिता से मिलने के लिए वीजा नहीं दिया जा रहा है, जिससे वे अपने पिता की सेहत का हाल जानने के लिए पाकिस्तान नहीं जा पा रहे हैं।

राजनीतिक तनाव बढ़ने के आसार : अगस्त 2023 से जेल में बंद इमरान खान के स्वास्थ्य से जुड़ी इस रिपोर्ट ने उनकी पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ताओं में भारी रोष पैदा कर दिया है। मानव अधिकार संगठनों ने भी जेल में बंद कैदियों के चिकित्सा अधिकारों को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

ट्रंप ने 2009 के जलवायु संबंधी फैसले को किया रद्द, ओबामा ने की आलोचना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल 2009 में किए गए एक महत्वपूर्ण जलवायु संबंधी फैसले को रद्द करने की घोषणा की है। यही फैसला अब तक अमेरिका में जलवायु नियमों की कानूनी बुनियाद माना जाता था। इसी के आधार पर मोटर वाहनों से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसों पर नियम बनाए गए थे और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीतियां लागू की गई थीं। ट्रंप ने यह घोषणा व्हाइट हाउस में अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के प्रमुख ली जेल्डिन के साथ की। उन्होंने इसे 'अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ी डीरेगुलेटरी कार्रवाई' बताया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा कि वे तथाकथित 'एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग' को खत्म कर रहे हैं। उनके अनुसार यह ओबामा शासनकाल की एक खराब नीति थी, जिसने अमेरिकी ऑटो उद्योग को नुकसान पहुंचाया और उपभोक्ताओं के लिए वाहनों की कीमतें बढ़ा दीं। साल 2009 में की गई इस 'ग्रीनहाउस गैस एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग' में कहा गया था कि कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और चार अन्य ग्रीनहाउस गैसें लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए खतरा हैं। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि इसका इस्तेमाल गाड़ियों के एमिशन स्टैंडर्ड और फॉसिल फ्यूल कंपनियों के लिए अपने एमिशन की रिपोर्ट करने की जरूरतों जैसे रेगुलेशन को सही ठहराने के लिए किया गया है। ट्रंप ने कहा कि यह फैसला न तो तथ्यों पर आधारित था और न ही कानून पर। उनका कहना है कि जीवाश्म ईंधन ने पीढ़ियों तक लाखों लोगों की जान बचाई है और दुनिया भर में अरबों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद की है। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यही फैसला वाहनों के धुएं और बिजली संयंत्रों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण का आधार था। उन्होंने कहा कि इसे खत्म करने से लोग कम सुरक्षित और कम स्वस्थ होंगे तथा जलवायु परिवर्तन से लड़ना और कठिन हो जाएगा। उनका कहना है कि ऐसा केवल जीवाश्म ईंधन उद्योग को अधिक लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है।

नीदरलैंड की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी हुई हैक: 60 लाख ग्राहकों के बैंक-पासपोर्ट का डाटा चोरी

एम्सटर्डैम, एजेंसी। नीदरलैंड की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी ओडिडो पर साइबर हमलावरों ने बड़ा हमला बोल दिया है। कंपनी ने खुद माना कि हैकर्स ने उसके सिस्टम में घुसकर 60 लाख से ज्यादा ग्राहकों का निजी डेटा चुरा लिया। यह डेटा बहुत संवेदनशील है। इसमें लोगों के बैंक खाते की जानकारी और पासपोर्ट नंबर जैसी चीजें शामिल हैं। यह नीदरलैंड में अब तक का सबसे बड़ा डेटा लीक मामला बन गया है। कंपनी ने ग्राहकों को चेतावनी भेजी है और जांच शुरू कर दी है। ओडिडो ने सात फरवरी को संदेह होने पर जांच शुरू की। कंपनी ने अपने अंदरूनी विशेषज्ञों और बाहर के एक्सपर्ट्स की मदद ली। जांच में पता चला कि हैकर्स ने कंपनी के उस सिस्टम पर हमला किया जिससे ग्राहकों से संपर्क किया जाता है। कंपनी ने

तुरंत अनधिकृत पहुंच रोक दी। अब कंपनी का कहना है कि फोन और इंटरनेट इस्तेमाल करना पूरी तरह सुरक्षित है। प्रभावित ग्राहकों को ईमेल भेजकर सूचित किया गया है कि उनका डेटा प्रभावित हो सकता है।

कंपनी की कार्रवाई : ओडिडो ने इस घटना की सूचना नीदरलैंड की प्राइवेसी और डेटा प्रोटेक्शन संस्था एपी को दे दी है। कंपनी ने कहा है कि वह पूरी जांच कर रही है और ग्राहकों की सुरक्षा के लिए हर कदम उठा रही है। कंपनी ने ग्राहकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और कोई संदिग्ध ईमेल या मैसेज पर ध्यान न दें। ओडिडो ने यह भी बताया कि हमले के बाद सिस्टम को सुरक्षित कर लिया गया है।

कंपनी के बारे में : ओडिडो पहले टी-मोबाइल का डच बिजनेस था। 2021 में इसे प्राइवेट इक्विटी फर्म्स अपैक्स और वॉरबर्ग पिंकस ने खरीद लिया था। कंपनी नीदरलैंड में करीब 80 लाख ग्राहकों को सेवा देती है। वहां के बाजार में यह केपीएन और वोडाफोनजिग्गो जैसी बड़ी कंपनियों से मुकाबला करती है। यह हमला कंपनी की छवि पर बड़ा असर डाल सकता है। यह हमला दिखाता है कि साइबर खतरा कितना बड़ा है। ग्राहकों को अपने बैंक खातों पर नजर रखनी चाहिए। पासवर्ड बदलने चाहिए और दो-कारक प्रमाणीकरण चालू करना चाहिए। कंपनी ने कहा है कि वह प्रभावित लोगों की मदद के लिए कदम उठा रही है। नीदरलैंड की सरकार और प्राइवेसी वॉचडॉग इस मामले की गहराई से जांच कर रहे हैं। ऐसे हमलों से बचने के लिए हर कोई सतर्क रहना जरूरी है।

अमेरिका में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम 47 फीसदी अधिक, विशेषज्ञों ने चेताया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रोजमर्रा की डाइट का बड़ा हिस्सा बन चुके अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स अब सीधे तौर पर दिल की बीमारियों से जुड़े पाए गए हैं। फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर पाया है कि जो वयस्क सबसे ज्यादा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ खाते हैं, उनमें हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा 47% तक अधिक है। उम्र, धूम्रपान और आय जैसे कारकों को समायोजित करने के बाद भी यह जोखिम बना रहा।

क्या होते हैं अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स : अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे औद्योगिक उत्पाद होते हैं जिनमें अतिरिक्त वसा, चीनी, स्टार्च, नमक और इमल्सीफायर जैसे रासायनिक एडिटिव्स मिलाए जाते हैं। सोडा, पैकेज्ड स्नैक्स और प्रोसेस्ड मीट इसके आम उदाहरण हैं। निर्माण के दौरान इनमें कई प्राकृतिक पोषक तत्व हटा दिए जाते हैं, जिससे ये अपने मूल स्वरूप से काफी अलग हो जाते हैं। इनमें ऐसे तत्व भी शामिल होते हैं जिनका मानव शरीर को ऐतिहासिक रूप से अनुभव नहीं रहा है। आज स्थिति यह है कि अमेरिका में औसतन वयस्कों की लगभग 60% कैलोरी और बच्चों की करीब 70% कैलोरी अल्ट्रा-प्रोसेस्ड भोजन से आती है। अमेरिका ही नहीं दुनिया के तमाम देशों में अल्ट्रा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की खपत बढ़ती जा रही है। पिछले अध्ययनों में यह दिखाया जा चुका है कि ज्यादा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड खाने वालों में मेटाबॉलिक सिंड्रोम का खतरा बढ़ जाता है, जिसमें मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, असामान्य कोलेस्ट्रॉल स्तर और इंसुलिन रेजिस्टेंस शामिल हैं।

तंबाकू जैसी चुनौती बन सकता है आधुनिक भोजन : शोधकर्ताओं का कहना है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड से जुड़े स्वास्थ्य खतरों की पहचान उसी तरह समय ले सकती है, जैसे पिछली सदी में तंबाकू के नुकसान समझने में लगा था। इसका एक कारण बड़े बहुराष्ट्रीय खाद्य निगमों का प्रभाव भी है, जो वैश्विक फूड मार्केट पर हावी हैं। साथ ही, कई समुदायों में स्वस्थ भोजन तक सीमित पहुंच भी एक बड़ी बाधा बनी हुई है।हेनेकन्स के अनुसार, अल्ट्रा- प्रोसेस्ड फूड से निपटना सिर्फ व्यक्तिगत पसंद का मामला नहीं है। यह ऐसे वातावरण बनाने की बात है जहां स्वस्थ विकल्प सबसे आसान विकल्प हों। क्लिनिकल गाइडेंस और सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा जरूरी है ताकि पौष्टिक भोजन हर किसी के लिए सुलभ और किफायती हो सके। शोधकर्ताओं ने कोलोरेक्टल कैंसर के बढ़ते मामलों की ओर भी ध्यान दिलाया है, खासकर युवा वयस्कों में। इस कैंसर के कई जोखिम कारक कार्डियोवैस्कुलर डिजीज से मेल खाते हैं, जिनमें डाइट पैटर्न प्रमुख है। एफएयू श्मिट कॉलेज ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर और चेयर एलिसन एच. फेरिस ने कहा, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड की बढ़ती खपत इसके लिए एक योगदानकर्ता हो सकती है।

क्या उत्तर कोरिया में बदलेगी सत्ता: किम जोंग की बेटी होंगी नई तानाशाह?

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया की सत्ता में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने खुलासा किया है कि तानाशाह किम जोंग उन अपनी बेटी किम जू ऐ उत्तराधिकारी के रूप में नामित करने की प्रक्रिया में काफी आगे बढ़ चुके हैं। गुरुवार को संसद की एक बंद कमरे की ब्रीफिंग में दी गई जानकारी के अनुसार, अब किम जू ऐ उत्तराधिकारी प्रशिक्षण से आगे बढ़कर उत्तराधिकारी के रूप में नामित होने के चरण में पहुंच चुकी हैं।

भाषा में बदलाव, संकेत मजबूत : एनआईएस के मुताबिक, पहले सरकारी हलकों में किम जू ऐ को केवल 'प्रशिक्षण में' बताया जाता था, लेकिन अब आधिकारिक भाषा में बदलाव आया है। यह संकेत देता है कि उत्तराधिकार की योजना अधिक संगठित और ठोस रूप ले चुकी है। सांसद ली सियोंग-क्वेउन ने मीडिया से बातचीत में बताया कि किम जू ऐ पिछले दो वर्षों में कई अहम सैन्य और प्रतीकात्मक कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आई हैं। इनमें कोरियन पीपुल्स आर्मी की वर्षगांठ, कुमसुसान पैलेस ऑफ द सन का दौरा और वायु सेना दिवस समारोह शामिल हैं।

सैन्य कार्यक्रमों में प्रमुख उपस्थिति : सरकारी मीडिया में किम जू ऐ को इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण, सैन्य परेड और रक्षा अधिकारियों की बैठकों में प्रमुख स्थान पर दिखाया गया है। वह अक्सर अपने पिता के ठीक बगल में खड़ी नजर आती हैं, जो सत्ता हस्तांतरण की तैयारी का प्रतीक माना जा रहा है। एनआईएस का आकलन है कि किम जू ऐ अब डी फैक्टो दूसरे सबसे उच्च पद पर हैं और नीतिगत मामलों पर अपनी राय भी दे रही हैं। यह तो स्पष्ट है कि किम जू ऐ उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता और वर्कर्स पार्टी के महासचिव किम जोंग उन और उनकी पत्नी री सोल-जू की बेटी हैं। जू ऐ का जन्म किस तिथि और किस वर्ष में हुआ, इसका रहस्य अब तक बरकरार है। उनकी उम्र बारह या तेरह वर्ष है। चालीस साल से अधिक के हो चुके खुद किम जोंग उन की जन्म की तारीख और सन का अब तक कोई पता नहीं लगा पाया है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी भी कयास ही लगाती रही। अमेरिका के दिग्गज बास्केटबाल खिलाड़ी डेनिस रोडमैन वर्ष 2013 में किम जोंग उन के परिवार से मिले थे। उन्होंने ही पहली बार यह बात सार्वजनिक की थी कि किम जोंग उन का एक बेटा व एक बेटी है।

अप्रैल में चीन पहुंचेंगे राष्ट्रपति ट्रंप, साल के आखिर में जिनपिंग करेंगे अमेरिका का दौरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल 2026 में चीन यात्रा की पुष्टि की है। ट्रंप ने कहा कि वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक समिट के लिए अप्रैल में चीन जाएंगे। इसके साथ ही प्रेसिडेंट शी के इस साल के आखिर में अमेरिका आने की उम्मीद है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'हां, मैं अप्रैल में राष्ट्रपति शी से मिलने जाऊंगा। मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। वह साल के आखिर में यहां आ रहे हैं, और मुझे इसका काफी इंतजार है।' ट्रंप ने बीजिंग के साथ अमेरिका के संबंधों को स्थिर बताया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'नहीं, चीन के साथ हमारे संबंध अभी बहुत अच्छे हैं। राष्ट्रपति शी के साथ मेरे संबंध बहुत अच्छे हैं।'

ट्रंप ने अप्रैल के दौरे की जगह या एजेंडा के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी है। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि शी का अमेरिका दौरा कब होगा, बस इतना कहा कि यह इस साल के आखिर में होगा।

बता दें, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति और शी जिनपिंग ने फोन पर बातचीत की थी, जिसकी जानकारी अमेरिकी प्रेसिडेंट ने दी। ट्रंप के मुताबिक, यह बातचीत लंबी और गहन रही और इसमें व्यापार, सैन्य सहयोग, चीन की उनकी प्रस्तावित अप्रैल यात्रा, ताइवान, रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान की स्थिति और दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग जैसे विषय शामिल रहे।

इस संबंध में ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'मेरी अभी चीन के राष्ट्रपति शी के साथ टेलीफोन पर काफी अच्छे से बातचीत हुई है। यह एक लंबी और विस्तारपूर्ण बातचीत थी, जिसमें कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। आर्थिक मुद्दों पर विशेष जोर देते हुए ट्रंप ने कहा कि बातचीत में चीन द्वारा अमेरिका से ऊर्जा और कृषि उत्पादों की खरीद पर

चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने चीन द्वारा अमेरिका से तेल और गैस की खरीद के साथ-साथ अमेरिकी कृषि उत्पादों की अतिरिक्त खरीद पर भी बात की।

अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका-चीन के संबंध व्यापार, तकनीक और सुरक्षा में कॉम्पिटिशन से निर्धारित हो रहे हैं। एक तरफ दोनों देशों के बीच टैरिफ और सेमीकंडक्टर एक्सपोर्ट कंट्रोल को लेकर टकराव जारी है। दूसरी ओर हिंद-प्रशांत में रणनीतिक दुश्मनी भी गहरी हो गई है। तनाव के बीच दोनों पक्षों ने बातचीत के लिए उच्चस्तरीय राजनयिक माध्यम खुला रखा है। भारत के लिए, अमेरिका और चीन के बीच बातचीत का क्षेत्रीय असर होता है। गलवान में हुए विवाद के बाद से भारत और चीन के बीच काफी तनाव था, जो हाल के कुछ सालों में कम होता नजर आ रहा है। भारत ने न केवल चीन के साथ अपने संबंधों में सुधार किया है, बल्कि अमेरिका के साथ रणनीतिक संबंध भी मजबूत किए हैं। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच विकास पर पूरे एशिया में, खासकर हिंद-प्रशांत में, करीब से नजर रखी जाती है। पिछले दस सालों में, यूएस-चीन के संबंध सहयोग और टकराव के बीच झूलते रहे हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड विवाद बढ़े। तब से दोनों देशों के बीच सैन्य और तकनीकी कॉम्पिटिशन बढ़ा है। साथ ही, समिट डिप्लोमेसी रिस्क कम करने और कम्युनिकेशन लाइनें खुली रखने के तरीके के तौर पर जारी रही है। ट्रंप के आलोचकों का कहना है कि जब उनके इंपोर्ट पर टैरिफ लगाने की बात आती है तो राष्ट्रपति चीन के प्रति नरम रहे हैं। चीन के साथ अमेरिका का बहुत बड़ा ट्रेड डेफिसिट है।

रोते बच्चों को मोबाइल देकर चुप कराना आजकल ट्रेंड बन गया है. रेस्टोरेंट हो, ट्रेन हो, घर हो या फिर डॉक्टर का क्लिनिक हर जगह एक ही नजारा दिखता है. बच्चा चुपचाप मोबाइल या टैबलेट की स्क्रीन में खोया रहता है. इस चक्कर में माता-पिता को उसके रोने-धोने और जिद से छुटकारा मिल जाता है. कुछ समय में बच्चों को चुप कराने, खाना खिलाने या थोड़ी देर शांति पाने के लिए मोबाइल थमा देना सबसे आसान तरीका लगने लगता है.

क्या आप भी फोन की 'रिश्वत' देकर बच्चों को करा रहे चुप!

स्क्रीन देखते ही बच्चा शांत हो जाता है और माता-पिता भी बेफिक्र हो जाते हैं. लेकिन डॉक्टर और एक्सपर्ट्स के नजरिए में बच्चों की ये खामोशी, माता-पिता के लिए शांति नहीं बल्कि चेतावनी है. उनका कहना है कि इस तरह बच्चों को फोन या टैबलेट पकड़ा देने का असर लंबे समय में बच्चों के दिमाग, व्यवहार और भावनाओं पर पड़ सकता है. तो सवाल ये है कि बच्चों को चुप कराने के लिए स्क्रीन दिखाना, यानी स्क्रीन ब्राइबिंग, क्या वाकई बच्चों के लिए सही है?

क्या है 'स्क्रीन ब्राइबिंग' की आदत?

आजकल ज्यादातर माता-पिता बच्चे को खाना खिलाने, सुलाने या बाहर ले जाते समय मोबाइल या टैबलेट थमा देते हैं. ऐसा करने से बच्चा स्क्रीन देखते ही शांत हो जाता है और उन्हें कुछ पल का सुकून मिल जाता है. इसी आदत को एक्सपर्ट्स 'स्क्रीन ब्राइबिंग' कहते हैं. यानी बच्चे को संभालने या चुप कराने के लिए स्क्रीन का इस्तेमाल करना. शुरुआत में ये एक आसान उपाय लगता है, लेकिन धीरे-धीरे यही आदत बच्चे की हेल्थ और डेवलपमेंट पर असर डालने लगती है.

डॉक्टर बच्चों में क्या बदलाव देख रहे हैं?

बच्चों के डॉक्टर्स के मुताबिक, अगर कोई बच्चा बहुत ज्यादा मोबाइल या टैबलेट देखता है तो उसमें कुछ परेशानियां हो सकती हैं. कई बच्चों को ठीक से नींद नहीं आती, वो देर से बोलते हैं और उनका ध्यान भी जल्दी भटक जाता है. ऐसे कई बच्चे हैं, जिनमें ये समस्याएं देखने को मिली है. इतना ही नहीं कुछ बच्चे जल्दी चिड़चिड़े हो जाते हैं, उन्हें सबके साथ नहीं बल्कि अकेले खेलना पसंद आने लगता है और लोगों से बात करना भी अच्छा नहीं लगता है. ये समस्याएं धीरे-धीरे बढ़ती हैं, इसलिए अक्सर माता-पिता को समय पर खतरा समझ नहीं आता.

बच्चे के दिमाग पर पड़ता है स्क्रीन का असर

बचपन में बच्चे का दिमाग बहुत तेजी से डेवलप होता है. इस समय उन्हें बातचीत, खेलने, सवाल-जवाब और भावनात्मक जुड़ाव की सबसे ज्यादा जरूरत होती है. जब बच्चा स्क्रीन में उलझा रहता है, तो वो अपने आस-पास की दुनिया से कटने लगता है. वो कम बोलता है, कम सुनता है और लोगों के भाव समझने में पीछे रह जाता है. स्क्रीन उसे व्यस्त तो रखती है, लेकिन सीखने का मौका छीन लेती है.

स्क्रीन पर क्यों निर्भर हो रहे हैं माता-पिता

ज्यादातर सभी माता-पिता जानते हैं कि चाहे वजह कोई भी हो ज्यादा मोबाइल सही नहीं है, फिर भी वो बच्चों को चुप कराने से लेकर अपने आप फ्री रहने के लिए उन्हें मोबाइल थमा देते है. माता-पिता के ऐसा करने की वजह पर गौर फरमाएं तो वो थकान, काम का दबाव और समय की कमी होती हैं. दरअसल, आजकल ज्यादातर घरों में दोनों माता-पिता नौकरी करने वाले होते हैं. उनकी मदद के लिए कोई नहीं होता है, ऐसे में मोबाइल उनका सबसे आसान सहारा बन जाता है. धीरे-धीरे यही सहारा आदत बन जाता है और बच्चा बिना स्क्रीन के रहना ही नहीं चाहता.

बच्चों को चुप कराने के लिए स्क्रीन नहीं इस चीजों को करें माता-पिता

बच्चों को सबसे ज्यादा जरूरत स्क्रीन की नहीं बल्कि समय और ध्यान की होती है. आप उन्होंने फोन या टैबलेट पकड़ाने के बजाय उनसे बात करें, उन्हें कहानियां सुनाएं, उनके साथ खेलें. ये छोटी-छोटी चीजें उनके दिमाग और दिल दोनों को मजबूत बनाती हैं. अगर बच्चा ऊब रहा है, तो आप उसे अपने साथ घर के छोटे कामों में शामिल कर सकते हैं. इस तरह से आप उनका स्क्रीन टाइम एकदम बंद करने के बजाय धीरे-धीरे कम कर सकते हैं.

ये आदत बन जाती है खतरनाक

अगर आपका बच्चा हर परेशानी में मोबाइल मांगने लगे और आप उसे उसके कहते ही देने लगें, तो वो अपनी भावनाओं/इमोशंस से निपटना नहीं सीख पाता है. ना ही उसे इंतजार करना आता है, ना ही खुद को संभालना. डॉक्टर्स की मानें तो आगे चलकर ऐसे बच्चों में पढ़ाई में मन ना लगना, गुस्सा जल्दी आना और चीजों से जल्दी ऊब जाना जैसी समस्याएं देखी जाती हैं. यानी जो स्क्रीन आज राहत देती है, वही कल मुश्किल बन सकती है.

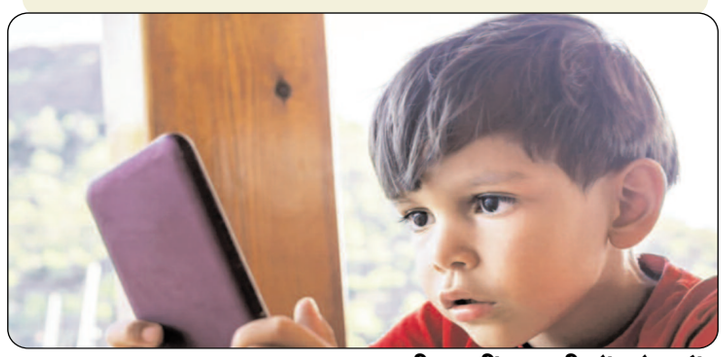

1 घंटे में बच्चे का पेट साफ! अपनाएं आसान और असरदार नुस्खे

बच्चों में भी कब्ज की समस्या बहुत आम है। गलत खानपान, पानी कम पीना, फाइबर की कमी और दिनचर्या बिगड़ने के कारण बच्चों का पेट साफ नहीं हो पाता। जब बच्चा पेट दर्द, कब्ज या टॉयलेट जाने में दिक्कत महसूस करता है, तो माता-पिता भी चिंतित हो जाते हैं। इसी समस्या को देखते हुए डॉक्टर नवनीत कौर भाटिया ने अपने इंस्टाग्राम वीडियो में एक आसान और असरदार नुस्खा बताया है, जिससे बच्चे को जल्दी राहत मिल सकती है।

बच्चा कब्ज में हो तो क्या करें?

डॉक्टर के अनुसार, अगर बच्चे की नाभि (पेट के बीच का बटन वाला हिस्सा) पर हल्दी और पानी का लेप लगाया जाए, तो लगभग 1 से 1.5 घंटे में पेट साफ हो सकता है। आयुर्वेद में नाभि को शरीर का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना गया है। नाभि के आसपास कई नसें और ब्लड वेसल्स होते हैं, जो पाचन से जुड़े हैं। हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी और डिटॉक्स गुण होते हैं, जो पाचन और पेट के लिए फायदेमंद हैं।

कैसे लगाएं हल्दी का लेप?

सामग्री
आधा चम्मच पानी
एक चुटकी हल्दी
तैयारी और इस्तेमाल

पानी में हल्दी मिलाकर पेस्ट बना लें। बच्चे की नाभि पहले से साफ कर लें। इस पेस्ट को नाभि पर हल्के हाथों से लगाएं। लगभग 1 से 1.5 घंटे में असर दिखना शुरू हो जाएगा।

अन्य जरूरी उपाय

डॉक्टर नवनीत यह भी बताती हैं कि कब्ज की समस्या को केवल घरेलू नुस्खों तक ही सीमित न रखें। कुछ अन्य चीजों पर भी ध्यान दें

सुबह खाली पेट पानी पिलाएं

बच्चे को सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पिलाएं। बड़े बच्चों के लिए इसमें हल्का सा हल्दी या नींबू मिलाया जा सकता है। यह पाचन तंत्र को एक्टिव करता है और पेट साफ होने में मदद करता है।

फाइबर युक्त आहार दें

बच्चों के खाने में फल, सब्जियां, दलिया, सलाद और साबुत अनाज शामिल करें। ये कब्ज दूर करने में बहुत मददगार हैं।

पेट की हल्की मालिश

सरसों के तेल या हल्दी मिलाए तेल से नाभि और पेट के आसपास हल्की मालिश करें। इससे पेट की मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं और गैस-कब्ज में आराम मिलता है।

डॉक्टर से सलाह लें

अगर बच्चे को बार-बार कब्ज हो रही है, तेज दर्द है या कई दिनों तक पेट साफ नहीं हो रहा, तो सिर्फ घरेलू उपायों पर भरोसा न करें। इस स्थिति में पेडियाट्रिशियन या विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

अगर बच्चा दांत पीसता है तो हो जाएं सावधान

बच्चों में अक्सर दांत पीसने की समस्या देखी जाती है। माता-पिता कई बार बच्चे को डांट-डपट देते हैं, लेकिन यह आदत आसानी से नहीं जाती। तो क्या यह आम समस्या है या किसी गंभीर बीमारी का संकेत? डॉक्टरों के अनुसार बच्चों के दांत पीसने की आदत के पीछे कई कारण हो सकते हैं और इसे समय रहते सही तरीके से रोकना जरूरी है।

बच्चे दांत क्यों पीसते हैं?

स्ट्रेस और एंग्जाइटी : तनाव या घबराहट की वजह से बच्चे अक्सर दांत पीसते हैं।

एडीएचडी या सेरेब्रल पाल्सी: कुछ विशेष स्थिति वाले बच्चों में भी यह देखा जा सकता है।

दांतों की असमानता : यदि बच्चे के दांत सीधे नहीं हैं, टेढ़े-मेढ़े हैं, तो भी यह समस्या हो सकती है।

स्लीप डिसॉर्डर : जैसे स्लीप एपनिया में भी दांत पीसने की आदत हो सकती है।

डॉक्टर बताते हैं कि यह आदत अगर समय रहते नियंत्रित न की जाए, तो आगे चलकर दांत और जबड़े की समस्याओं का कारण बन सकती है।

दांत पीसने की आदत को कैसे रोकें

स्क्रीन टाइम कम करें : सोने से 2-3 घंटे पहले बच्चे को टीवी, फोन या अन्य स्क्रीन से दूर रखें।

रिलैक्सेशन तकनीक: रोजाना बच्चे को डीप ब्रीदिंग, स्ट्रेचिंग और योग जैसी एक्टिविटीज कराएं।

तनाव की वजह खोजें: अगर बच्चा स्ट्रेस या एंग्जाइटी महसूस कर रहा है, तो उसके कारण को समझें और हल ढूंढें।

डाइट में बदलाव: कैफिनेटेड और शुगर वाली ड्रिंक्स को हटा दें, खासकर सोने से पहले।

पर्याप्त नींद: बच्चे को रोजाना

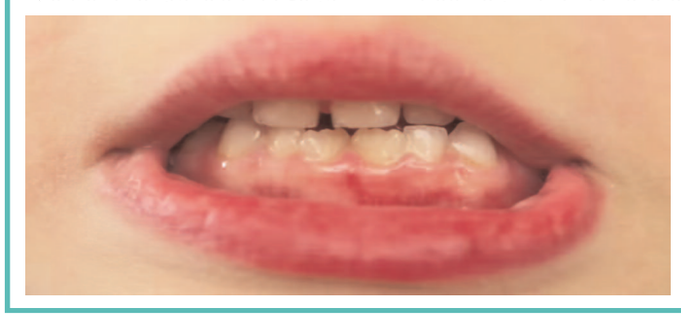

कैसे तैयार करें अनार के छिलके का माउथ फ्रेशनर?

अगर आज मानते हैं कि माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता केवल बड़ों को होती है तो अपना विचार बदल दें। इसका कारण है कि बच्चों के भी दांत खराब हो सकते हैं इसलिए हमारी तरह ही छोटे बच्चों को भी माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता होती है पर बाजार में बिकने वाले माउथ फ्रेशनर उनके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं क्योंकि उनमें बहुत अधिक मात्रा में रसायन होते हैं।

ऐसे में उनके लिए एक ऐसा माउथ फ्रेशनर होना चाहिए जो पूरी तरह प्राकृतिक हो और स्वाद में भी कड़वा न हो। आप चाहें तो अपने बच्चों के लिए घर पर ही माउथ फ्रेशनर तैयार कर सकती हैं। अनार के छिलकों का इस्तेमाल करके माउथ फ्रेशनर बनाया जा सकता है। ये माउथ फ्रेशनर न केवल बच्चों के लिए फायदेमंद रहेगा बल्कि बड़े भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

अनार के छिलके में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है, जो ओरल हेल्थ के लिए अच्छा होता है। अनार के छिलके से तैयार माउथ फ्रेशनर मुंह के अल्सर और मुंह की दुर्गंध को दूर करने का काम करता है।

अनार का एंटी-माइक्रोबायल एक्टिविटी स्ट्रेपटोकोक्स म्यूटेन बैक्टीरि ?या को पनपने नहीं देता है.

कैसे तैयार करें अनार के छिलके का माउथ फ्रेशनर?

अनार को काटकर उसके दानों को सफाई से निकाल लें. अनार के छिलके को धूप में सूखने के लिए रख दें।

जब छिलके पूरी तरह सूख जाएं तो उन्हें पीसकर पाउडर तैयार कर लें।

एक गिलास पानी में एक चम्मच इस पाउडर को मिलाकर उबालें। इसे ठंडा होने दें। जब ये घोल ठंडा हो जाए तो इस छान लें।

इस तरल को किसी जार या शीशी में भरकर रख दें। आपका माउथ फ्रेशनर तैयार है. बच्चा जब भी कुछ खाए तो उसे माउथ फ्रेशनर से मुंह साफ करने की आदत डालें। ऐसा करने से दांतों में कैविटी की समस्या भी नहीं होगी।

स्किन से जुड़ी इन सभी समस्याओं को ठीक कर सकता है पपीता, मिलते हैं ये फायदे

पपीता में विटामिन सी, विटामिन ए, फाइबर और फोलेट की भरपूर मात्रा पाई जाती है.पपीते में कई तरह के एंजाइम्स जैसे पपैन मौजूद होता है जो पाचन के लिए जरूरी माना जाता है. पपीते में मौजूद विटामिन सी इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में मदद करता है. वहीं, इसमें मौजूद विटामिन, आंखों और स्किन के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है. ओवरऑल शरीर के साथ ही पपीता स्किन के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है.

पपीते में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है और इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं जो स्किन के लिए लाभकारी होते हैं. आइए जानते हैं पपीता खाने से आपकी स्किन पर क्या असर पड़ता है.

नेचुरल एक्सफोलिएशन- पपीते में पैपेन नाम का एंजाइम होता है जो नेचुरल एक्सफोलिएंट की तरह काम करता है. यह डेड स्किन को हटाने और ओपन पोर्स को बंद करने में मदद करता है जिससे स्किन ग्लोइंग बनती है. स्किन पर पपीते का फेस मास्क लगाने से स्किन चमकदार बनती है.

एंटी-एजिंग गुण- पपीते में बीटा-कैरोटीन नाम का एंटीऑक्सीडेंट होता है. जो फ्री रेडिकल्स से लड़ने में करता है जिससे रिंकल्स और फाइन लाइंस की समस्या दूर होती है. पपीते का सेवन करने से स्किन की इलास्टिसिटी बढ़ती है. एंटी एजिंग गुणों के लिए आपको पपीते को रोज अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए.

एक्ने और धब्बों को दूर करें- पपीते में मौजूद पैपेन इंफ्लेमेशन को रोकने में मदद करता है. पपीते में एंटी माइक्रोबियल प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं जो एक्ने को कम करने के साथ ही दाग-धब्बों को दूर करने में भी मदद करता है. एक्ने को कम करने के लिए पपीते को पिंपल्स पर लगाएं.

स्किन को मॉइश्चराइज करे- पपीते में पोटेशियम पाया जाता है, जो स्किन को हाइड्रेट और मॉइश्चराइज करता है. इससे स्किन सॉफ्ट और सपल बनती है. पपीते को रोजाना खाने से स्किन और बॉडी अंदर-बाहर से हाइड्रेट होती है.

सन डैमेज से करे रिपेयर- पपीते में विटामिन सी होता है जो स्किन को सन डैमेज से बचाता है. यह पिगमेंटेशन को को कम करने के साथ ही स्किन में होने वाली खुजली को भी शांत करता है. सन डैमेज से बचने के लिए पपीते में शहद और दही मिक्स करके स्किन पर लगाने से स्किन का टेक्सचर सुधरता है.

आमिर खान के बेटे जुनैद संग बनेगी तमन्ना की जोड़ी

फिल्म 'रागिनी 3' को शशांक घोष डायरेक्टेड करेंगे। फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर मेकर्स ने जानकारी साझा की है। इसमें तमन्ना भाटिया के अपोजिट कौन हीरो है? फिल्म में उनकी जोड़ी किसके साथ बन रही है?

'रागिनी 3' में जुनैद खान तमन्ना भाटिया के साथ नजर आएंगे। आमिर खान के बेटे जुनैद ने इससे पहले 'लवयापा' जैसी रोमांटिक फिल्म की थी। अब वह हॉरर फिल्म का हिस्सा बन रहे हैं। इसमें तमन्ना और वह दमदार किरदारों में नजर आएंगे। 'रागिनी' सीरीज की फिल्मों में रोमांस, धोखा और हॉरर का डोज दर्शकों को दिया जाता है, ऐसा ही कुछ तीसरी कड़ी में भी देखने को मिलेगा।

फिल्म 'रागिनी 3' में शामिल उम्दा टीम

तमन्ना भाटिया और जुनैद की इस फिल्म में एक उम्दा टीम शामिल है। साहिर रजा इस प्रोजेक्ट का क्रिएटिव एंगल देखेंगे। शशांक घोष फिल्म के निर्देशक हैं। वह पहले भी बालाजी मोशन पिक्चर्स के साथ 'वीरे दी वेडिंग' और 'फ्रेडी' जैसी सफल फिल्में कर चुके हैं।

कई फिल्म प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं तमन्ना भाटिया?

फिल्म 'रागिनी 3' के अलावा तमन्ना भाटिया 'वी शांताराम' की बायोपिक कर रही हैं। वहीं एक हॉरर फिल्म 'वन' भी कर रही हैं। इसके अलावा 'रेंजर' नाम की फिल्म भी उनके पास हैं।

मैं 24×7 दिखाई नहीं देना चाहती

एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने हाल ही में पीआर के साथ काम करने को लेकर बातचीत की। इसमें उन्होंने अपने पब्लिक अपीरियंस को लेकर भी कहा कि वो क्यों ज्यादा सुर्खियों में नहीं रहती। इंटरव्यू में शोभिता धुलिपाला ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल पसंद को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि भले ही उन्होंने कभी-कभी पीआर टीम के साथ काम किया है, लेकिन वह खुद को उस सिस्टम से ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस नहीं करतीं।

शोभिता ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मैंने थोड़े-बहुत समय के लिए पीआर फर्म के साथ काम किया है। लेकिन मेरी पर्सनैलिटी और जिस तरह की जिंदगी मैं जीना चाहती हूं, उसके हिसाब से मैंने तय किया है कि मुझे इस तरह की 'एम्प्लीफिकेशन' की जरूरत नहीं है। मैं 24×7 दिखाई नहीं देना चाहती और न ही चाहती हूं कि हर समय मेरे बारे में बातें हों। यह मेरी रुचि नहीं है और मुझे यह अपने लिए जरूरी नहीं लगता।'

पीआर के साथ करने पर बोलीं शोभिता

उन्होंने आगे साफ किया कि वह फिलहाल पीआर के साथ काम नहीं कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि यह हर किसी की अपनी पसंद होती है। उन्होंने कहा, 'मैं पीआर के साथ काम नहीं करती, लेकिन शायद यह किसी और के लिए सही हो। इस मामले में कोई नियम तय नहीं है। हर किसी की अपनी पसंद होती है, और मुझे अपनी पसंद को लेकर पूरी स्पष्टता है।' शोभिता का यह बयान दिखाता है कि वह लाइमलाइट से ज्यादा अपने काम और निजी जीवन को अहमियत देती हैं। शोभिता आखिरी बार लव सितारा में नजर आई थीं, जो फिलहाल जीफाइव पर स्ट्रीम हो रही है। इससे पहले वो 'चीकाटिलो' फिल्म में नजर आईं थीं, जो कि एक सस्पेंस-थ्रिलर है।

पलाश मुछाल की फिल्म में नजर आएंगी डेजी शाह

बीते दिन पलाश मुछाल के लिए काफी मुसीबतों भरे गुजरे। पहले महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना से शादी टूटी फिर उन पर पैसों को लेकर धोखाधड़ी के आरोप लगे। मगर अब पलाश अपने विवादों को पीछे छोड़ अपनी प्रोफेशनल लाइफ पर ध्यान दे रहें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पलाश जल्द ही अपना अपकमिंग प्रोजेक्ट रिलीज कर सकते हैं। अपने पोस्ट में तरण ने बताया कि पलाश एक मुंबई बेस्ड थ्रिलर सीरीज लाने वाले हैं। जिसमें एक्ट्रेस डेजी शाह और एक्टर श्रेयस तलपडे नजर आएंगे। हालांकि अब तक फिल्म का नाम सामने नहीं आया। मेकर्स ने भी अब तक फिल्म की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी मगर पलाश ने पोस्ट शेयर कर के इन रिपोर्ट्स पर मुहर लगा दी है। पोस्ट के मुताबिक फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

क्या होगी फिल्म की कहानी

फिल्म में लीड कैरेक्टर्स के नाम डेजी शाह और श्रेयस तलपड़े सामने आए हैं। रिपोर्टस के मुताबिक श्रेयस एक आम आदमी के किरदार में नजर आएंगें। अब तक फिल्म की सिर्फ इतनी ही जानकारी शेयर की गई है। फिल्म की बाकी कास्ट, स्टोरी लाइन , रिलीज डेट कुछ भी मेकर्स ने रिवील नहीं किया।

'तू या मैं' ने बदली शनाया की सोच

फिल्मी दुनिया में किसी भी कलाकार के लिए खुद को साबित करना और आलोचनाओं से जूझना आसान नहीं होता। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री शनाया कपूर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा किया। इस पोस्ट में उन्होंने नई फिल्म 'तू या मैं' और अपने किरदार 'अवनी' को लेकर दिल की बातें रखीं। इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए शनाया कपूर ने कहा, ''तू या मैं' मेरे जीवन में उस वक्त आई, जब मैं खुद को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थी। मेरे अंदर आत्मविश्वास की कमी थी और मैं खुद से सवाल करती रहती थी। ऐसे समय में इस फिल्म और इस किरदार का मिलना मेरे लिए किसी सहारे से कम नहीं था। इस फिल्म ने मुझे सिर्फ एक भूमिका नहीं दी, बल्कि खुद पर भरोसा करना भी सिखाया।'' अपने किरदार के बारे में शनाया ने कहा, ''अवनी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। फिल्म में अवनी एक ऐसी लड़की है, जो मुश्किल हालात में भी हार नहीं मानती और जानलेवा परिस्थितियों का सामना करती है। अवनी मगरमच्छों से लड़ती है। अवनी के इसी अंदाज ने मुझे डर से लड़ना सिखाया। इस किरदार ने मुझे निडर और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। मैं अभी भी अवनी के मजबूत व्यक्तित्व तक पहुंचने की कोशिश कर रही हूं। यह सफर मेरे लिए बेहद खास है।'' अपनी पोस्ट में शनाया ने दर्शकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, ''करियर की शुरुआत में ही दर्शकों से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। लोगों की तारीफ, प्रतिक्रियाएं और समीक्षाएं मुझे भावुक कर देती हैं। मैं दर्शकों का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे अवनी के रूप में अपनाया।

क्या रणवीर सिंह की जगह अब ऋतिक रोशन निभाएंगे 'डॉन 3' में लीड रोल?

एक्टर ने किया खुलासा

हाल ही में रणवीर सिंह ने 'डॉन 3' मूवी से किनारा कर लिया था। इसके बाद से ही फरहान अख्तर की डॉन 3 फिल्म चर्चाओं में है और ये सवाल पूछे जा रहे हैं कि रणवीर के बाद अब कौन इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएगा। अब ऋतिक रोशन ने भी फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

फिल्म का हिस्सा होने पर क्या बोले ऋतिक

एक्टर ऋतिक रोशन ने शुक्रवार के दिन खुलासा किया कि उन्हें कभी 'डॉन 3' के लिए अप्रोच नहीं किया गया था। उनका ये बयान तब सामने आया जब ये खबरें सामने आ रही थी कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने रणवीर सिंह के जाने के बाद उनकी जगह ऋतिक रोशन को रोल देने के लिए अप्रोच किया है। बातचीत में ऋतिक ने कहा, 'जो अफवाहें फैल रही थी, अब उनपर विराम लगाने का समय आ गया है। मैं साफ तौर पर ये बात कह रहा हूं कि मुझे कभी 'डॉन 3' फिल्म के लिए अप्रोच नहीं किया गया था। मैं मीडिया से अनुरोध करता कि वे इस तरह की किसी भी अपुष्ट रिपोर्ट से दूर रहें।' हालांकि अबतक फरहान अख्तर और रणवीर सिंह ने इन अटकलों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन अफवाहें थीं कि दोनों के बीच किसी मतभेद का असर 'डॉन 3' पर पड़ा है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि ऋतिक रोशन ने इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखाई है। बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में डॉन 3 की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है।

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्स : ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।

स्टार को बीमा पॉलिसी समझते हैं मेकर्स, मेरे नाम पर कोई 100 करोड़ की फिल्म नहीं बनाएगा

टीवी की जस्सी के नाम से मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह अब इंडस्ट्री की सबसे बिजी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वो फिल्मों के साथ-साथ वेब सीरीज में भी लगातार काम कर रही हैं। हाल ही में मोना सिंह नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। लगातार फिल्मों और सीरीज में अहम भूमिकाएं निभाने के बावजूद मोना सिंह का कहना है कि प्रोड्यूसर्स उनके नाम पर 100 करोड़ रुपए के बजट की फिल्म बनाने का जोखिम नहीं उठाना चाहते।

मुझे पता है मैं क्या नहीं चाहती

बातचीत के दौरान मोना सिंह ने अपने करियर के उस मुकाम पर होने की बात की, जहां वह आसानी से प्रोजेक्ट्स को ठुकरा नहीं सकतीं। अभिनेत्री ने कहा कि यह मेरे द्वारा लिए गए फैसलों की वजह से ही है कि मैं यहां हूं। मैंने प्रासंगिक बने रहने और अपने सिद्धांतों पर कायम रहने की कोशिश की है। इसलिए मैंने कई प्रोजेक्ट्स को मना किया है। हालांकि, मना करना कभी आसान नहीं होता। मुझे लगता है कि जीवन में मुझे पता है कि मैं क्या नहीं चाहती। यह स्पष्टता अब मेरे भीतर है।

पोस्टर पर स्टार लाता है बॉक्स ऑफिस पर पैसा

अभिनेत्री ने आगे कहा कि निर्माता सितारों को एक बीमा पॉलिसी की तरह देखते हैं, ताकि उन्हें अपना पैसा वापस मिल सके। पोस्टर पर एक स्टार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की गारंटी देता है। फिल्म निर्माण आखिरकार एक व्यवसाय है। आप जानते हैं कि आप निवेश कर रहे हैं और आपको उससे कहीं अधिक पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर किरदार सिर्फ सर्विस प्रोवाइडर बनकर रह जाते हैं। यही सच्चाई है। अगर आप मेरी मुख्य भूमिका वाली 100 करोड़ रुपये की फिल्म की बात कर रहे हैं, तो मुझे ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है।

'कोहरा 2' में नजर आई हैं मोना सिंह

वर्कफ्रंट की बात करें तो मोना सिंह हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आई हैं। सुदीप शर्मा, गुंजित चोपड़ा और दिग्गी सिसोदिया द्वारा निर्मित और रणदीप झा द्वारा निर्देशित इस क्राइम थ्रिलर में मोना सिंह मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ बरुण सोबती, रणविजय सिंह, अनुराग अरोरा और पूजा भामर्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। सीरीज को क्रिटिक्स और दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।